श्रावण शुक्ल - 3 संवत 2082 वर्ष - 13 अंक - 5 पृष्ठ - 8 रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 27-07-2025 www.dakshinbharat.com Email : chennai@dakshinbharat.com
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
तक्षिण पारत् राष्ट्रमत् | दिनसरी हिन्दी नाळितऴ् | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

कारगिल की जीत ने भारत के साहस और गरिमा को प्रदर्शित किया : रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि कारगिल युद्ध में मिली जीत ने भारत के साहस, संयम और गरिमा को प्रदर्शित किया है। उन्होंने कहा कि 'कारगिल विजय दिवस' देश के सैनिकों के अद्वितीय पराक्रम, अनुशासन और समर्पण को श्रद्धांजलि है।

कारगिल विजय दिवस हर साल 26 जुलाई को मनाया जाता है। भारतीय सेना ने 1999 में इसी दिन तोलोलिंग और टाइगर हिल समेत करगिल की बर्फीली चोटियों पर लगभग तीन महीने तक चली लड़ाई के बाद ऑपरेशन विजय की सफल समाप्ति की घोषणा की थी। गुप्ता ने कहा कि कारगिल युद्ध केवल एक क्षेत्र की रक्षा के लिए नहीं था, बल्कि ये लड़ाई भारत के सम्मान, संप्रभुता और संकल्प की रक्षा के लिए भी थी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, ''कारगिल की विजय भारत के साहस, संयम, गरिमा और मातृभूमि के प्रति समर्पण की जीत थी। हम इस पावन दिवस पर वीर शहीदों को कृतज्ञता और श्रद्धा के साथ नमन करते हैं।''

स्कूलों में सुरक्षा का ऑडिट अनिवार्यः केंद्र सरकार का राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश जारी कर स्कूलों में बच्चों से जुड़ी संरचनाओं तथा सुरक्षा तंत्र का ऑडिट करना अनिवार्य कर दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

शिक्षा मंत्रालय ने स्कूलों से इमारतों की संरचनात्मक मजबूती सुनिश्चित करने को भी कहा है। यह कदम राजस्थान के झालावाड़ जिले में शुक्रवार को एक सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा गिरने के एक दिन बाद उठाया गया है। राजस्थान में स्कूल में हुए हादसे में सात बच्चों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए थे। मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, ''राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को छात्रों की सुरक्षा और उनका कल्याण सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा संहिताओं के अनुरूप स्कूलों और बच्चों से संबंधित संरचनाओं का अनिवार्य सुरक्षा ऑडिट, आपातकालीन तैयारियों के लिए कर्मचारियों और छात्रों को प्रशिक्षण देना आदि शामिल है।'' उन्होंने कहा, ''संरचनात्मक समग्रता, अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन निकास और बिजली के तारों का गहन मूल्यांकन किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कर्मचारियों और छात्रों को आपातकालीन तैयारियों का प्रशिक्षण दिया जाए, जिसमें निकासी अभ्यास, प्राथमिक उपचार और सुरक्षा प्रोटोकॉल शामिल हैं।'' मंत्रालय ने सिफारिश की कि स्थानीय प्राधिकारियों (एनडीएमए, अग्निशमन सेवाएं, पुलिस और चिकित्सा एजेंसियां) के साथ सहयोग को मजबूत किया जाना चाहिए ताकि समय-समय पर प्रशिक्षण सत्र और मॉक ड्रिल आयोजित की जा सकें।

शारीरिक सुरक्षा के अतिरिक्त, मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक कल्याण को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए तथा इसके लिए परामर्श सेवाएं, सहकर्मी सहायता प्रणाली और सामुदायिक सहभागिता जैसी पहल आदि शुरू की जानी चाहिए।

अधिकारी ने कहा, '' किसी भी खतरनाक स्थिति, बाल-बाल बचने या बच्चों अथवा युवाओं को नुकसान पहुंचाने वाली किसी घटना की सूचना 24 घंटे के भीतर संबंधित राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के प्राधिकरण को दी जानी चाहिए। देरी, लापरवाही या कार्रवाई में विफलता के मामलों में सख्त जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।'' माता-पिता, अभिभावकों, सामुदायिक नेताओं और स्थानीय निकायों को सतर्क रहने तथा स्कूलों, सार्वजनिक क्षेत्रों या बच्चों और युवाओं द्वारा उपयोग किए जाने वाले परिवहन के साधनों में असुरक्षित स्थितियों की सूचना देने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

अधिकारी ने कहा, ''मंत्रालय ने शिक्षा विभाग, स्कूल बोर्ड और संबद्ध अधिकारियों से उपरोक्त उपायों को बिना किसी देरी के लागू करने का आग्रह किया है।''

आंध्र प्रदेश में वित्तीय दबाव और बढ़ गया : वाई एस जगन मोहन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश में विपक्ष के नेता वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने शनिवार को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) के नवीनतम आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि राज्य में वित्तीय दबाव ''वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में और बढ़ गया है''।

रेड्डी ने कहा कि पहली तिमाही के लिए कैग के मासिक प्रमुख संकेतक राज्य की वित्तीय स्थिरता के लिए 'संकटपूर्ण दृष्टिकोण' का संकेत देते हैं। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में राजकोषीय दबाव और भी बढ़ गया है। कैग ने इस अवधि के लिए मासिक प्रमुख संकेतक अपलोड किए हैं और ये आंकड़े स्पष्ट रूप से राज्य सरकार की वित्तीय स्थिरता के लिए संकटपूर्ण दृष्टिकोण का संकेत देते हैं।'' उन्होंने कहा कि विशेषकर आंध्र प्रदेश जैसे राज्य में सार्वजनिक वित्त प्रबंधन एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। उन्होंने कहा कि यह राज्य विभाजन से बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

रेड्डी ने कहा, ''केवल कल्याण और विकास जैसे आवश्यक क्षेत्रों में सरकारी व्यय की सही मात्रा ही निजी उपभोग और निवेश को बढ़ावा दे सकती है, जिससे एक सकारात्मक चक्र को बढ़ावा मिलता है।'' उन्होंने कहा कि सभी सरकारी राजस्व स्रोतों में वृद्धि 'धीमी' रही, जिसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के दौरान राज्य के कर और गैर-कर राजस्व दोनों में सुस्त प्रदर्शन हुआ। उन्होंने दावा किया, ''यह बिल्कुल स्पष्ट है कि राज्य ने अपनी आर्थिक उछाल खो दी है, जैसा कि सरकारी राजस्व की कुछ श्रेणियों में बेहद कम वृद्धि और अन्य में नकारात्मक वृद्धि से स्पष्ट है।''

रेड्डी ने कहा कि जीएसटी और बिक्री कर आम तौर पर उपभोग के स्तर को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि कैग के आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले तीन महीनों में इन मदों के तहत राजस्व पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में कम था।

मंत्रिमंडल फेरबदल के संबंध में अंतिम फैसला मुख्यमंत्री फडणवीस लेंगे : मंत्री बावनकुले

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल फेरबदल की अटकलें शनिवार को उस समय और तेज हो गईं, जब वरिष्ठ भाजपा नेता और मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि इस संबंध में अंतिम फैसला मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस लेंगे।

दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों के साथ फडणवीस की हालिया बैठक के बाद कुछ विवादास्पद मंत्रियों के विभागों की संभावित अदला-बदली या उन्हें हटाए जाने की अटकलों ने जोर पकड़ लिया है। मंत्रिमंडल फेरबदल की चर्चा के बारे में पूछे जाने पर, बावनकुले ने कहा, ''मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, राकांपा प्रमुख अजित पवार और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे अपनी-अपनी पार्टियों के लिए फैसला ले सकते हैं, जो उनका अधिकार है।'' उन्होंने कहा, ''संबंधित दल अपने फैसले लेंगे। हालांकि, अंतिम फैसला फडणवीस ही लेंगे क्योंकि वह राज्य के मुख्यमंत्री हैं।'' बावनकुले ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की, क्योंकि कांग्रेस नेता ने स्वीकार किया था कि वह अतीत में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के हितों की उतनी रक्षा नहीं कर पाए, जितनी उन्हें करनी चाहिए थी।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत तेजी से बढ़ रही : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि प्रस्तावित व्यापार समझौते पर अमेरिका के साथ बातचीत तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने आगे कहा कि इसके अलावा, ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि पिछली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के विपरीत, नरेंद्र मोदी सरकार ने मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार क्षेत्र) और ब्रिटेन जैसे विकसित देशों के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर किए हैं।

दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर अगले दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी टीम अगस्त में भारत का दौरा करेगी। भारत और अमेरिकी टीमों ने पिछले हफ़्ते वाशिंगटन में इस समझौते के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी की।

दोनों देश प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को सितंबर-अक्टूबर तक अंतिम रूप देने की योजना बना रहे हैं। इसका लक्ष्य द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान 191 अरब डॉलर से 500 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। गोयल ने कहा, सभी एफटीए की अपनी अलग गतिशीलता होती है और हम ओमान, यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ बातचीत के बहुत ही उन्नत चरण में हैं। हम न्यूजीलैंड, चिली और पेरू के साथ भी बातचीत कर रहे हैं... इसलिए, हम इस समय एक साथ कई एफटीए पर काफी व्यस्त हैं। मंत्री ने कहा, इनमें से प्रत्येक पर अपेक्षित ध्यान दिया जा रहा है ताकि हम वस्तुओं और सेवाओं में भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार की सीमाओं का विस्तार कर सकें।

भारत-ब्रिटेन एफटीए से किसानों, बुनकरों और युवाओं के लिए खुलेगा वैश्विक बाजार : साय

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को भारत की वृद्धि यात्रा का नया अध्याय बताया है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति आभार जताया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री साय ने कहा है कि यह समझौता न केवल भारत के आर्थिक क्षितिज को विस्तार देगा, बल्कि छत्तीसगढ़ जैसे विशेष रूप से कृषि, शिल्प, लघु और कुटीर उद्योगों पर आधारित राज्यों को वैश्विक व्यापार का हिस्सा बनने का ऐतिहासिक अवसर प्रदान करेगा। भारत-ब्रिटेन एफटीए से भारत के 99 प्रतिशत निर्यात उत्पादों को ब्रिटेन में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। इससे किसानों, एमएसएमई, हस्तशिल्पियों, बुनकरों और पारंपरिक उत्पादों को सीधे लाभ मिलेगा।

अनिल अंबानी समूह की कंपनियों के खिलाफ ईडी की छापेमारी तीसरे दिन भी जारी

मुंबई/भाषा। मुंबई में रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी की कार्रवाई शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रही। एजेंसी ने कई स्थानों से बड़ी संख्या में दस्तावेज और कंप्यूटर उपकरण जब्त किये हैं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। संघीय जांच एजेंसी ने 24 जुलाई को कथित तौर पर 3,000 करोड़ रुपए के बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले के तहत छापेमारी शुरू की थी। इसके अलावा कुछ कंपनियों द्वारा करोड़ों रुपए की वित्तीय अनियमितताओं के कई अन्य आरोप भी हैं। सूत्रों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत छापेमारी की कार्रवाई शुरू की गई थी और मुंबई में 35 से अधिक परिसरों में से कुछ स्थानों पर यह शनिवार को भी जारी रही। ये परिसर 50 कंपनियों और 25 लोगों के हैं, जिनमें अनिल अंबानी समूह की कंपनियों के कई अधिकारी भी शामिल हैं। ईडी सूत्रों ने बताया कि 2017 से 2019 के बीच यस बैंक से लिये लगभग 3,000 करोड़ रुपए के ऋण के गलत इस्तेमाल के आरोपों में ये छापेमारी की जा रही है।

हम बर्बाद हो गए, हिंजेवाडी आईटी पार्क महाराष्ट्र से बाहर जा रहा है: अजित पवार

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का यह खुलासा राजनीतिक विवाद को जन्म दे सकता है कि पुणे स्थित हिंजेवाडी आईटी पार्क बेंगलूरु और हैदराबाद स्थानांतरित हो रहा है। पिंपरी चिंचवड में नागरिक कार्यों का निरीक्षण करते समय का पवार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है।

पुणे जिले के संरक्षक मंत्री पवार ने स्थानीय सरपंच गणेश जांभुलकर से बातचीत करते हुए कहा, हम बर्बाद हो गए। हिंजेवाडी का पूरा आईटी पार्क बाहर जा रहा है। यह मेरे पुणे से, महाराष्ट्र से बाहर बेंगलूरु, हैदराबाद जा रहा है, क्या आपको इसकी जरा भी परवाह नहीं है? पवार सुबह छह बजे हिंजेवाडी पहुंचे और जलभराव व अन्य स्थानीय समस्याओं का जायजा लिया। उन्होंने पिंपरी-चिंचवड के कई इलाकों का दौरा किया। पवार जब क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे थे तब जांभुलकर ने उनसे मीडिया की मौजूदगी में स्थानीय मुद्दों के बारे में शिकायत की। पवार ने मीडियाकर्मियों से कैमरों को बंद करने का आग्रह करते हुए कहा, जब बांध बनते हैं तो मंदिर हटते हैं। आप जो चाहें कह सकते हैं, मैं सुनूंगा, लेकिन मैं वही करूंगा जो मैं करना चाहता हूं। उन्होंने कहा, हम बर्बाद हो गए हैं। हिंजेवाडी का पूरा आईटी पार्क बाहर जा रहा है।

बर्बाद हो रही है इंटर्नशिप योजना, सरकार के पास प्रशासनिक कौशल का अभाव: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना ऐसी सरकार के हाथों बर्बाद हो रही है जिसके पास प्रशासनिक कौशल का घोर अभाव है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि सरकार ने पांच साल में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप का मौका देने का लक्ष्य जरूर रखा है, लेकिन अब तक के आंकड़ों से स्पष्ट है कि स्थिति निराशाजनक है।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, हम पहले ही आगाह कर चुके थे कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस), जो कांग्रेस की 2024 लोकसभा चुनाव की गारंटी पहली नौकरी पक्की से प्रेरित है, जिसमें सभी स्नातक और डिप्लोमा धारकों को एक साल की 'अप्रेंटिसशिप' देने का वादा किया गया था। यह योजना एक ऐसी सरकार के हाथों बर्बाद हो रही है, जिसके पास प्रशासनिक कौशल का घोर अभाव है। उन्होंने दावा किया कि अब यह सामने आ रहा है कि वही समस्या कई महीनों बाद भी इस योजना को प्रभावित कर रही है। रमेश के अनुसार, पीएमआईएस के दूसरे चरण में 1.18 लाख इंटर्नशिप के अवसर खोले गए, लेकिन सिर्फ 71,458 प्रस्ताव दिए गए। यह पहले चरण की तुलना में 13 प्रतिशत की गिरावट है, जब 82,077 ऑफर उपलब्ध थे। उन्होंने कहा कि 17 जुलाई तक, इंटर्नशिप के 71,458 प्रस्तावों में से केवल 22,584 प्रस्ताव को उम्मीदवारों द्वारा स्वीकार किया गया, जो पहले चरण में इंटर्नशिप स्वीकार करने वाले 28,000 छात्रों से भी कम है।

संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित होने से सरकार से अधिक विपक्ष को नुकसान : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को कहा कि सदन की कार्यवाही बार-बार बाधित होने से विपक्ष को अधिक नुकसान होता है, क्योंकि वह सरकार को जवाबदेह ठहराने का महत्वपूर्ण अवसर खो देता है।

यह टिप्पणी ऐसे समय में आयी है जब मानसून सत्र के पहले हफ्ते में विपक्षी सांसदों के बार-बार विरोध प्रदर्शन के कारण कोई विशेष कामकाज नहीं हो सका। 'प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन' द्वारा आयोजित संसद रत्न पुरस्कार समारोह में रीजीजू ने याद दिलाया कि कैसे नौकरशाह संसद स्थगित होने पर कभी-कभी राहत महसूस करते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं आपको बता दूं कि जब संसद नहीं चलती तो अधिकारी राहत महसूस करते हैं क्योंकि उन्हें सवालों से छुटकारा मिल जाता है। संसद में सरकार को जवाबदेह ठहराया जा सकता है। जब सदन चलता है, तो मंत्रियों को कठिन सवालों का सामना करना पड़ता है। जब सदन की कार्यवाही कुछ ही मिनट में स्थगित हो जाती है, तो वे सवाल भी नहीं उठते। संसद की कार्यवाही बाधित होने से सरकार से अधिक नुकसान विपक्ष को होता है।'' रीजीजू ने कहा, ''सदन की कार्यवाही बाधित करने वालों को लगता है कि वे सरकार को नुकसान पहुंचा रहे हैं, लेकिन वास्तव में, वे लोकतंत्र में अपनी भूमिका को कमजोर कर रहे होते हैं।'' संसदीय जवाबदेही के महत्व पर जोर देते हुए मंत्री ने कहा, ''किसी भी लोकतंत्र में, सरकार को संसद के माध्यम से जनता के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। इसलिए, एक सुचारू लोकतंत्र के लिए सदन की कार्यवाही चलने देना जरूरी है।'' संसद में अपने सफर पर रीजीजू ने कहा कि उन्होंने विपक्षी सांसदों को कभी विरोधी नहीं माना।

फिल्म निर्माता पर मॉडल को 'धोखा' देने का मामला दर्ज, फिल्म प्रीमियर पर दोनों में झड़प

मुंबई/भाषा। हिंदी फिल्म 'सो लॉन्ग वैली' के निर्माता करण सिंह के खिलाफ एक मॉडल रुचि गुज्जर से 23 लाख रुपए की कथित ठगी के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। वायरल वीडियो में रुचि को शुक्रवार रात फिल्म के प्रीमियर के दौरान निर्माता करण सिंह को थप्पड़ मारते हुए देखा गया है।

ओशिवारा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि रुचि की शिकायत पर बृहस्पतिवार को करण सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई। एक अधिकारी के अनुसार, शिकायत में रुचि ने आरोप लगाया है कि करण सिंह ने एक टेलीविजन चैनल के लिए फिल्म परियोजना शुरू करने के नाम पर उनसे 23 लाख रुपए लिए थे और मुनाफे में हिस्सेदारी एवं ऑन-स्क्रीन क्रेडिट देने का वादा किया था। अधिकारी ने बताया, शिकायतकर्ता ने बताया कि परियोजना कभी शुरू नहीं हुई और पैसे भी वापस नहीं किए गए।

सेवानिवृत्ति के बाद परामर्श और मध्यस्थता करूंगा, कोई सरकारी पद स्वीकार नहीं करूंगा: सीजेआई गवई

अमरावती/भाषा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी. आर. गवई ने शनिवार को कहा कि वह अपनी सेवानिवृत्ति के बाद परामर्श और मध्यस्थता का कार्य करेंगे तथा कोई सरकारी पद स्वीकार नहीं करेंगे। वह अमरावती जिला एवं सत्र न्यायालय में दिवंगत टी.आर. गिल्डा मेमोरियल ई-लाइब्रेरी के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे।

न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''मैंने पहले भी कई मौकों पर घोषणा की है कि 24 नवंबर के बाद मैं कोई भी सरकारी पद स्वीकार नहीं करूंगा। मैं परामर्श और मध्यस्थता का कार्य करूंगा।'' प्रधान न्यायाधीश गवई 23 नवंबर को सेवानिवृत्त होंगे। गवई ने अमरावती स्थित अपने पैतृक गांव दारापुर में अपने पिता और केरल तथा बिहार के पूर्व राज्यपाल आर.एस. गवई की समाधि पर शुक्रवार को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधान न्यायाधीश अपने परिवार के सदस्यों के साथ अपने गांव में पिता की पुण्यतिथि कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

गवई ने दारापुर गांव के रास्ते पर बनने वाले भव्य द्वार की शुक्रवार को आधारशिला भी रखी। प्रवेश द्वार का नाम आर.एस. गवई के नाम पर रखा गया है, जिन्हें प्यार से दादासाहेब गवई कहा जाता था।

कांग्रेस की चुनावी हार के लिए 'पक्षपाती अंपायर' निर्वाचन आयोग जिम्मेदार : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आणंद/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को गुजरात में पार्टी के जिला इकाई प्रमुखों को आश्वासन दिया कि चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन करते समय उनकी राय पर भी विचार किया जाएगा।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 'संगठन सृजन अभियान' (पार्टी संगठन को मजबूत करने का अभियान) के तहत कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में अपने संबोधन के दौरान निर्वाचन आयोग पर 'पक्षपाती' होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उसके 'मुख्य गढ़' गुजरात में हराना महत्वपूर्ण है। कांग्रेस ने 2027 के राज्य विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आणंद शहर के पास एक रिसॉर्ट में जिला पार्टी कमेटियों के नवनियुक्त अध्यक्षों के लिए शिविर का आयोजन किया है। पार्टी के मिशन 2027 के लिए खाका तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर का समापन 28 जुलाई को होगा। गुजरात कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा ने बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि राहुल गांधी ने जिला अध्यक्षों का मागर्दशन किया और आश्वासन दिया कि नेतृत्व पूरी तरह से पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ है। राजकोट जिला कांग्रेस प्रमुख राजदीपसिंह जडेजा ने कहा, ''राहुल गांधी ने हमसे लोगों से जुड़े मुद्दे उठाने को कहा। उन्होंने आश्वासन दिया कि विभिन्न चुनावों के लिए उम्मीदवारों के चयन से पहले शहर और जिला इकाई प्रमुखों से परामर्श किया जाएगा।'' एक अन्य नेता ने कहा कि राहुल गांधी ने क्रिकेट की शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए निर्वाचन आयोग पर ''पक्षपाती अंपायर'' होने का आरोप लगाया, जिसके कारण कांग्रेस चुनाव हार रही है।

मजीठिया की गिरफ्तारी पर टिप्पणी को लेकर अमरिंदर सिंह पर मुख्यमंत्री भगवंत मान का पलटवार

चंडीगढ़/भाषा। पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह द्वारा पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को ''चुनिंदा ढंग परेशान'' करने का आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को पलटवार करते हुए कहा कि अमरिंदर मादक पदार्थ के मुद्दे पर दोहरा रुख अपना रहे हैं।

मान ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आपको मादक पदार्थ तस्करों के मानवाधिकारों की चिंता है।'' उन्होंने सिंह से चार सप्ताह के भीतर मादक पदार्थ की बुराई को खत्म करने के उनके 2017 के चुनावी वादे के बारे में भी सवाल किया। वह सिंह के इस आरोप पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि आप सरकार का मानना है कि ''सस्ती सनसनीखेज बातें, राजनीतिक प्रतिशोध और निर्मम दमन शासन का विकल्प हैं।'' सिंह ने फेसबुक पर लिखा, ''पंजाब ने लोकतंत्र पर ऐसा ज़बरदस्त हमला कभी नहीं देखा, जहां उनके कुशासन और भ्रष्टाचार के आलोचकों को नज़रबंद किया जा रहा है, उन पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं और उन्हें चुप कराया जा रहा है।''

सिंह ने 2021 में कांग्रेस छोड़कर अपनी पार्टी बनाई थी और एक साल बाद उसका भाजपा में विलय कर दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''बिक्रम सिंह मजीठिया का चुनिंदा ढंग से किया जा रहा उत्पीड़न अमानवीय तरकीब का एक चौंकाने वाला उदाहरण है। मैं इस राजनीतिक उत्पीड़न की कड़ी निंदा करता हूं। जन-आंदोलनों को कुचला जा रहा है, असहमति को दबाया जा रहा है और पंजाब को माफिया की तरह दिल्ली से नियंत्रित किया जा रहा है।'' शनिवार को 'एक्स' पर अपने पोस्ट में मान ने बिना किसी का नाम लिए लिखा, ''कैप्टन साहब (अमरिंदर सिंह), आज आपको मादक पदार्थ तस्करों के मानवाधिकारों की चिंता हो रही है। जब आपके और आपके भतीजे के राज में लोगों के बेटे तड़प-तड़पकर मर रहे थे, तब आप जलसों में व्यस्त थे।''

श्रावण शुक्ल - 3 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 5 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 27-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 बिहार में हालात भयावह हो गए हैं : चिराग पासवान

6 कैप्टन अक्षत उपाध्याय : समय पर सही फैसला लेकर बचाई सैकड़ों लोगों की जान

7 सुष्मिता सेन की युवाओं से अपील 'सपने देखें पर हिमत भी जरूरी'

WANTED LAND
1 to 2 Acres
For LEASE / SALE
with or without
Construction offer
for Starting a
New CBSE School
in & around
Avadi-Kannampalayam,
Mettupalayam,
Ayalcheri, Sorancheri,
Kovilpadhagai,
Pattabiram, Ambattur,
Thirumullaivoyal
and more...
CONTACT:
97907 92881

फर्स्ट टेक

विश्वसनीय वैश्विक नेताओं में मोदी सबसे शीर्ष पर

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी बिज़नेस इंटेलिज़ेंस फर्म मॉर्निंग कन्सल्ट के ताज़ा सर्वेक्षण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार फिर दुनिया के सबसे लोकप्रिय लोकतांत्रिक नेता के रूप में उभरे हैं। सर्वे के अनुसार 75 प्रतिशत लोगों ने मोदी को अपना पसंदीदा नेता माना है। इस फर्म ने 'ग्लोबल लीडर अप्रूवल ट्रैकर' के लिए चार से 10 जुलाई के बीच सर्वे किया था। इसमें दुनिया भर में लोगों की राय ली गई जिसमें 75 प्रतिशत ने प्रधानमंत्री मोदी के पक्ष में सहमति दी। मोदी के बाद दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग को 59 प्रतिशत, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली को 57 प्रतिशत और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को 56 प्रतिशत सहमति प्राप्त हुई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 44 प्रतिशत लोगों की पसंद के साथ आठवें स्थान पर हैं। वहीं इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी महज 40 प्रतिशत के साथ 10वें नंबर पर हैं।

एक साल के बच्चे ने जिंदा नाग को चबाकर मार डाला

बेतिया/भाषा। बिहार के एक सुदूर गांव में एक साल के बच्चे ने जहरीले नाग को दांत से काटकर मार डाला। स्थानीय लोगों ने यह दावा किया। यह विचित्र घटना पश्चिम चंपारण जिले में घटी। परिवार के सदस्य बच्चे को बेतिया शहर के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल में लेकर आए। अस्पताल अधीक्षक दुवकांत मिश्रा ने शनिवार को बताया, ''लड़के गोविंद कुमार को कल उसके गांव के नजदीक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से यहां रेफर किया गया था।

27-07-2025 सूर्यास्त 6:37 बजे | 28-07-2025 सूर्योदय 5:53 बजे

BSE	NSE
81,463.09	24,837.00
(-721.08)	(-225.10)

सोना	चांदी
10,284 रु.	127,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हाल-बेहाल

रंग उड़े मंहगाई से,
यूक्रेन झेलता बम गोली।
मँहगाई ने पर खोल दिए,
हालत निर्धन की है पोली।
हम अमन देश का माँग रहे,
फैला करके अपनी झोली।।
नेतागण फैंक रहे कीचड़,
कानूनों की जलती होली।

दुश्मन के ठिकानों को नष्ट करने में

'मेक इन इंडिया' हथियारों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका : मोदी

ब्रिटेन के साथ 'ऐतिहासिक' व्यापार समझौता भारत पर दुनिया के विश्वास को दर्शाता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में 4,900 करोड़ रुपए की लागत वाली परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

तूतीकोरिन/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और ब्रिटेन के बीच हाल में संपन्न मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को शनिवार को 'ऐतिहासिक' करार दिया और कहा कि यह व्यापार समझौता भारत पर दुनिया के विश्वास को दर्शाता है।

ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत निर्मित हथियारों ने सीमा पार सैन्य अभियान के दौरान दुश्मन के ठिकानों को नष्ट करने में बड़ी भूमिका निभाई और दुश्मनों की नींद उड़ा दी।

प्रधानमंत्री ने यहां 4,900 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण एवं शिलान्यास किया तथा तमिलनाडु के विकास के प्रति राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि वह अपने विदेश दौरे को पूरा करने के बाद सीधे तमिलनाडु में आकर धन्य हो गए हैं। इस दौरान मालदीव की उनकी यात्रा से पहले भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौता 'ऐतिहासिक' है।

मोदी ने कहा, ''भारत और ब्रिटेन ने एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह दुनिया के बढ़ते भरोसे और हमारे आत्मविश्वास को दर्शाता है। हम इसी आत्मविश्वास के साथ विकसित भारत और विकसित तमिलनाडु बनाएंगे।'' पारंपरिक वेष्टी (धोती), कमीज और गले में अंगवस्त्रम पहने हुए मोदी ने कहा, ''ब्रिटेन के साथ एफटीए हमारे विकसित भारत, विकसित तमिलनाडु के दृष्टिकोण को गति देता है।''

मालदीव का अपना आधिकारिक दौरा समाप्त करने के बाद वह सीधे यहां पहुंचे।

मैंने नैतिकता के आधार पर पीपलोदी हादसे की जिम्मेदारी ली : दिलावर

जयपुर/भाषा। राजस्थान के स्कूली शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने नैतिकता के आधार पर पीपलोदी हादसे की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने कहा कि हादसे की विस्तृत जांच करवाई जा रही है और उसी आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने शनिवार को भरतपुर और डीग का दौरा किया। वहीं भरतपुर में सार्वजनिक सभा के दौरान गुलाब की पंखुड़ियों, मालाओं के साथ मंत्री का स्वागत किए जाने की सोशल मीडिया पर आलोचना हुई। जिस पर मंत्री ने कहा कि उन्होंने लोगों को उनका स्वागत करने से मना किया था। दिलावर ने कहा, मैंने कहीं भी स्वागत सम्मान नहीं करवाया। लोगों ने करना चाहा लेकिन मैंने मना कर दिया। मैं कभी माला नहीं पहनता। 36 साल हो गए, मैंने माला नहीं पहनी। हादसे की जिम्मेदारी लिए जाने संबंधी एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, मैंने नैतिकता के आधार पर हादसे की जिम्मेदारी ली क्योंकि जब शिक्षा विभाग में कोई अच्छा काम होता है तो मैं जिम्मेदारी लेता हूं।

थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा

ऑपरेशन सिंदूर ने दिया पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

द्रास (करगिल)/भाषा। थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किए गए हमलों ने पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवाद के समर्थकों को बख्शा नहीं जाएगा।

जनरल द्विवेदी ने यहां करगिल युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के लिए एक संदेश था और साथ ही यह पूरे देश (भारत) को गहरा जख्म देने वाले पहलगाम आतंकवादी हमले का जवाब भी था। इस बार भारत ने न केवल शोक व्यक्त किया बल्कि यह भी दिखाया कि जवाब निर्णायक होगा।''

सेना प्रमुख ने विजय दिवस पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दुश्मन को कड़ा जवाब देना भारत के लिए अब सामान्य बात है। उन्होंने कहा, ''देशवासियों द्वारा दिखाए गए विश्वास और सरकार द्वारा दी गई खुली छूट के कारण भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया। कोई भी ताकत जो भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता को चुनौती देने या लोगों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगी, उसे करारा जवाब दिया जाएगा। यह भारत के लिए अब सामान्य बात है।'' जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना ने निर्दोषों को कोई नुकसान पहुंचाए बिना पाकिस्तान में नौ महत्वपूर्ण आतंकवादी ढांचों को नष्ट किया। उन्होंने कहा, ''भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचों को प्रभावी ढंग से निशाना बनाकर निर्णायक जीत हासिल की। सेना ने आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया और निर्णायक जीत हासिल करने के लिए पाकिस्तान के अन्य आक्रामक प्रयासों को विफल किया।''

राष्ट्र के विकास के लिए

भारतीय दर्शन पर आधारित शिक्षा प्रणाली आवश्यक : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि देश में शिक्षा प्रणाली औपनिवेशिक विचारों के दीर्घकालिक प्रभाव में विकसित हुई है और एक विकसित राष्ट्र के लिए भारतीय दर्शन पर आधारित एक विकल्प तैयार करने की आवश्यकता है।

आरएसएस से जुड़े शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चिंतन बैठक के दूसरे दिन प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि इसके लिए दृष्टिकोण गंभीर, यथार्थवादी और पूरी तरह भारतीय आधार वाला होनी चाहिए।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा जारी बयान के अनुसार, उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे हैं, उन्हें अपने काम में निपुण होना चाहिए, दूसरों के लिए मिसाल बनना चाहिए और आपसी अच्छे संबंध बनाने चाहिए ताकि सब मिलकर देश को आगे ले जा सकें।

बयान में यह भी कहा गया कि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास रविवार शाम को यहां राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन 'ज्ञान सभा' का आयोजन करेगा, जिसे भागवत संबोधित करेंगे।

संगठन ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन सोमवार को होगा।

एक बयान में संगठन ने दावा किया कि भारतीय दर्शन पर आधारित शिक्षा प्रणाली सामाजिक सुधार और राष्ट्रीय प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेगी।

यह बयान शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय महासचिव अतुल कोठारी ने संगठन की राष्ट्रीय चिंतन बैठक के दूसरे दिन पिरावम के वेल्यानाड में 'चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन' के मुख्यालय आदि शंकरा निलयम में दिया।

थाईलैंड-कंबोडिया संघर्ष के हालात पर कड़ी नजर रख रहे हैं : भारत

नई दिल्ली/भाषा। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सैन्य संघर्ष जारी रहने के मद्देनजर भारत ने शनिवार को कहा कि वह स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है और उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच शत्रुता समाप्त हो जाएगी। बृहस्पतिवार को दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के बीच सीमा पर शुरू हुए संघर्ष में कम से कम 32 लोग मारे गए हैं और लगभग 1,50,000 लोग विस्थापित हुए हैं। संघर्ष के मद्देनजर विदेश मंत्रालय ने इस क्षेत्र में भारतीय यात्रियों को किसी भी सहायता के लिए दोनों देशों में स्थित संबंधित दूतावासों से संपर्क करने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''हम कंबोडिया और थाईलैंड की सीमा पर स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''भारत के दोनों देशों के साथ घनिष्ठ एवं मैत्रीपूर्ण संबंध हैं और हमें उम्मीद है कि दोनों पक्ष शत्रुता समाप्त करने तथा तनाव बढ़ने से रोकने के लिए कदम उठाएंगे।''

राष्ट्रपति मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में

कृतज्ञ राष्ट्र ने करगिल के शहीदों को किया नमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को देश के सशस्त्र बलों के उन जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने 1999 के करगिल युद्ध में भारत की सरजमीं की रक्षा के लिए कठिन परिस्थितियों में बहादुरी से लड़ाई लड़ी और पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को लद्दाख में करगिल की बर्फीली चोटियों पर लगभग तीन महीने तक चले युद्ध के बाद घोषणा की कि दुश्मनों से अपनी जमीन को मुक्त कराने के लिए शुरू किया गया 'ऑपरेशन विजय' पूर्ण रूप से सफल हुआ है।

इस दिन को हर वर्ष करगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''करगिल विजय दिवस के अवसर पर मैं मातृभूमि के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। यह दिवस हमारे जवानों की असाधारण वीरता, साहस एवं दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। देश के प्रति उनका समर्पण और सर्वोच्च बलिदान देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। जय हिन्द! जय भारत!'' राष्ट्रपति सशस्त्र बलों का सर्वोच्च कमांडर भी होता है। इस अवसर पर द्रास स्थित करगिल युद्ध स्मारक सहित देश भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ के कारण शुरू हुए संघर्ष में 500 से अधिक भारतीय सैनिकों को अपना सर्वोच्च बलिदान देना पड़ा।

भारत मालदीव के लोगों की आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ प्रधानमंत्री मोदी मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल हुए

माले/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मोदी का समारोह में शामिल होना दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार का एक और संकेत है। मालदीव की राजधानी में स्थित समारोह स्थल, 'रिपब्लिक स्क्वायर' पर राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू और उनके मंत्रिमंडल के शीर्ष मंत्रियों ने मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रधानमंत्री का मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना द्विपक्षीय संबंधों में एक 'मील का पत्थर' है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह पहला मौका है जब किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने मालदीव में स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लिया। करीब 50 मिनट तक चले समारोह के बाद मोदी ने कहा कि भारत मालदीव की आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है और मुइज्जू के साथ उनकी बातचीत द्विपक्षीय संबंधों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी।

मोदी ने मालदीव के लोगों और सरकार को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई भी दीं।

मोदी ने कहा, ''भारत और मालदीव के बीच गहरी साझेदारी है जो आपसी सम्मान, साझा मूल्यों और सांस्कृतिक एवं आर्थिक आदान-प्रदान के लंबे इतिहास पर आधारित है।''

उन्होंने 'एक्स' पर कहा, ''हमारे संबंध लगातार आगे बढ़ रहे हैं, जो लोगों के बीच आपसी संपर्क और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग से आकार ले रहे हैं। भारत मालदीव के लोगों की आकांक्षाओं का समर्थन करने और हमारे ग्रह की बेहतरी के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात थी। इस महत्वपूर्ण अवसर ने मालदीव के लोगों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जीवंत भावना को प्रदर्शित किया।'' उन्होंने कहा, ''यह पिछले कुछ वर्षों में देश की परिवर्तन यात्रा का भी प्रतीक है। अपनी प्राचीन समुद्री परंपराओं से लेकर जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वैश्विक नेतृत्व तक, मालदीव ने विश्व मंच पर अपने लिए एक विशिष्ट स्थान बनाया है।''

मालदीव और भारत के बीच कूटनीति से परे अटूट संबंध हैं : मुइज्जू

माले/भाषा। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने हिंद महासागर को मालदीव और भारत के बीच दीर्घकालिक संबंधों का जीवंत प्रमाण बताते हुए कहा है कि दोनों देशों ने एक मजबूत और अटूट बंधन स्थापित किया है जो कूटनीति से परे है।

मालदीव और भारत के बीच 60 वर्षों के राजनयिक संबंधों पर प्रकाश डालते हुए मुइज्जू ने इन्हें साझा इतिहास और स्थायी साझेदारी का प्रतिबिंब बताया।

राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मुइज्जू ने कहा कि मालदीव और भारत के बीच संबंध औपचारिक कूटनीति से परे हैं तथा सदियों पुराने गहरे रिश्ते हैं। उन्होंने कहा कि मालदीव सरकार एक समावेशी और गतिशील अर्थव्यवस्था के निर्माण, युवाओं को सशक्त बनाने और क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रपति मुइज्जू ने स्वीकार किया कि इन महत्वाकांक्षाओं को साकार करने में भारत की साझेदारी महत्वपूर्ण है।

इस विशेष संबंध को और मजबूत करने के लिए मालदीव की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए मुइज्जू ने एक समृद्ध मालदीव-भारत साझेदारी की कामना की जो दोनों देशों में स्थायी शांति एवं समृद्धि लाए।

एशिया कप का आयोजन नौ से 28 सितंबर तक यूएई में

भारत बनाम पाकिस्तान मैच 14 और 21 सितंबर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कराची/नई दिल्ली/भाषा। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को घोषणा की कि पुरुषों का एशिया कप नौ से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित किया जाएगा।

पीटीआई को मिले शुरुआती कार्यक्रम के अनुसार भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित ग्रुप चरण मैच रविवार (14 सितंबर) को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा।

भारत और पाकिस्तान की टीमें एक ही ग्रुप में है और इन दोनों टीमों के अगले रविवार (21 सितंबर) को फिर से सुपर फोर मैच में आमने सामने होने की संभावना है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा और उसके सभी मैच दुबई में खेले जाने की संभावना है।

भारत, पाकिस्तान, यूएई और ओमान को ग्रुप ए में रखा गया है जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हांगकांग ग्रुप बी में हैं। एसीसी 19 मैचों के इस टूर्नामेंट के लिए 17 सदस्यीय टीम को अनुमति देगा तथा मैच दुबई तथा अबुधाबी में खेले जाएंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष नकवी ने 'एक्स' पर एक औपचारिक घोषणा में बताया, '' मुझे यूएई में एसीसी पुरुष एशिया कप 2025 की तारीखों की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट नौ से 28 सितंबर तक होगा। हम इसमें शानदार क्रिकेट देखने की उम्मीद करते हैं। इसका विस्तृत कार्यक्रम जल्द ही जारी किया जाएगा।''

एशिया कप के आयोजन स्थल का निर्णय 24 जुलाई को एसीसी की बैठक में किया गया। इस बैठक में सभी 25 सदस्य देशों ने भाग लिया था। टूर्नामेंट का मेजबान बीसीसीआई है, लेकिन इसे यूएई में आयोजित किया जा रहा है क्योंकि भारत और पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच मौजूदा तनाव के कारण 2027 तक केवल तटस्थ स्थानों पर प्रतिस्पर्धा करने पर पारस्परिक रूप से सहमति व्यक्त की है।

शिक्षा विभाग पहले कार्रवाई करता तो हादसा नहीं होता : वसुंधरा राजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने झालावाड़ के पिपलोदी गांव में हुए स्कूल हादसे पर शोक जताते हुए कहा है कि शिक्षा विभाग के अधिकारी पहले कार्रवाई करते तो यह हादसा नहीं होता। वसुंधरा राजे ने कहा कि शिक्षा विभाग के अधिकारी राज्य के ऐसे जर्जर भवन वाले विद्यालयों को पहले ही चिह्नित कर लेते और बच्चों को अन्यत्र किसी सुरक्षित भवन में स्थानांतरित कर देते तो यह हादसा नहीं होता। शुक्रवार को सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा ढहने से सात बच्चों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। इनमें से कुछ की हालत गंभीर है। इस हादसे के बाद मौजूदा विधायक राजे ने अपने बेटे एवं सांसद दुष्यंत सिंह के साथ अस्पताल में घायल स्कूली बच्चों से मुलाकात की और पीड़ित परिवारों को सांत्वना दी।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, बहुत ही दर्दनाक घटना है। हमारे परिवार के सात स्कूली बच्चों को भगवान ने हमसे छीन लिया। इस हादसे में 28 बच्चे घायल हो गए। जैसे ही मुझे इस घटना की जानकारी मिली। मुझे बहुत आघात लगा। मैं तथा झालावाड़-बारां के सांसद दुष्यंत सिंह तत्काल दिल्ली से यहां के लिए रवाना हो गए। उन्होंने कहा, शिक्षा विभाग प्रदेश के सभी विद्यालयों का सर्वे करवाए। जहां भी स्कूल जर्जर अवस्था में हैं, ऐसे विद्यालयों से बच्चों को अन्यत्र सुरक्षित भवन में स्थानांतरित करे। ऐसे विद्यालयों को गिरा कर नये भवन बनवायें, ताकि बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ नहीं हो।

राजे ने कहा, यदि शिक्षा विभाग के अधिकारी प्रदेश के ऐसे विद्यालयों को पहले ही चिन्हित कर लेते और बच्चों को अन्यत्र किसी सुरक्षित भवन में स्थानांतरित कर देते तो हमारे ये बच्चे काल का ग्रास नहीं बनते। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से बच्चों और अभिभावकों में भय का वातावरण बनता है। इसके साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखने और इस हृदय विदारक घटना को लेकर कोई राजनीति नहीं करने की अपील की। उन्होंने प्रभावित परिवारों की मदद किये जाने का आह्वान किया।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अवसरों को मिलेगा बढ़ावा : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते को देश की वैश्विक आर्थिक कूटनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताते हुए कहा है कि इससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। शर्मा ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर कहा कि मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश के व्यापारिक समझौतों में राष्ट्रहित सदैव सर्वोपरि रहता है। उन्होंने कहा कि यह समझौता देश की वैश्विक आर्थिक कूटनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अवसरों को बढ़ावा देगा।

शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के अनुसरण में आगामी दिसंबर में 'राइजिंग राजस्थान' पार्टनरशिप कॉन्क्लेव-2025 का आयोजन करने जा रही है जो भारत और ब्रिटेन सहित अन्य देशों के बीच व्यापारिक साझेदारियों को मजबूती प्रदान करेगा और यह भी प्रदर्शित करेगा कि किस प्रकार सरकार उद्योगों, बहुपक्षीय संगठनों और स्टार्टअप्स के साथ सहयोग को बढ़ावा दे रही है।

यह सम्मेलन पहले किए गए एमओयू की प्रगति के साथ राजस्थान में उद्योगों के कारण आ रहे सामाजिक-आर्थिक बदलाव को भी रेखांकित करेगा। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर होने के बाद राजस्थान के रत्न एवं आभूषण उद्योग को निर्यात के क्षेत्र में बड़ी बढ़त मिलने की संभावना है। इस समझौते के तहत कीमती और सस्ते आभूषणों पर लगने वाले सभी टैरिफ समाप्त कर दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर द्वारा लंदन में गुरुवार को हस्ताक्षरित इस समझौते के तहत भारत के 99 प्रतिशत निर्यातों को ब्रिटेन में शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी, जिससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को नया बल मिलेगा। राजस्थान के लिए यह विशेष रूप से लाभदायक होगा क्योंकि यहां के रत्न एवं आभूषण उत्पादकों को अब यूके में शून्य टैरिफ दर पर निर्यात करने की सुविधा मिलेगी। वर्तमान में भारत से कीमती धातुओं के आभूषणों के निर्यात पर दो से चार प्रतिशत तक का सीमा शुल्क लगता है जबकि सस्ती धातुओं के आभूषणों पर यह शुल्क चार प्रतिशत है। एफटीए के प्रभावी होते ही ये सभी शुल्क शून्य हो जाएंगे। इस समझौते से मोती, प्रीशियस एण्ड सेमी प्रीशियस स्टोन, कीमती धातु एवं कृत्रिम आभूषण आदि जिन वस्तुओं पर शुल्क समाप्त किया गया है, उनमें मोती, कीमती/अर्द्ध-कीमती पत्थर, कीमती धातुएं, कृत्रिम आभूषण आदि पर मौजूदा टैरिफ समाप्त किए गए हैं। ब्रिटेन के बाजार में जीरो ड्यूटी पहुंच से राजस्थान का वस्त्र उद्योग भी लाभान्वित होगा, क्योंकि पहले यहां पर 12 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगता था।

इस बदलाव से 4500-7000 करोड़ रुपये के निर्यात की संभावनाएं बढ़ेंगी। विशेष रूप से परिधान और होम टेक्सटाइल्स क्षेत्र में भारत के पड़ोसी देशों से राजस्थान बेहतर ढंग से प्रतिस्पर्धा कर सकेगा। मकराना और किशनगढ़ के विश्व प्रसिद्ध स्टोन एवं मार्बल उद्योग, राज्य की सीमेंट निर्माण इकाइयों एवं राजस्थानी पारंपरिक फर्नीचर और बेडिंग निर्माण इकाइयों को भी इस एफटीए से लाभ मिलेगा। राजस्थान की पारंपरिक पेंटिंग्स, पॉटरी और धातु शिल्प सहित हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए भी बड़ी संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। ब्रिटेन के लक्जरी मार्केट और दक्षिण एशियाई प्रवासी समुदाय की ओर से बढ़ती मांग इसमें सहायक होगी। राजस्थान की इंजीनियरिंग गुड्स को भी कम टैरिफ का लाभ मिलेगा और यूके के बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी। एफटीए से स्थानीय वैल्यू एडिशन नियमों के साथ ऑटो पार्ट्स के निर्यात को भी बढ़ावा देगा। होंडा का टपूकड़ा संयंत्र इस क्षेत्र में राज्य की निर्माण क्षमता को दर्शाता है, जहां से इंजन पार्ट्स और क्रैंकशाफ्ट जैसे उत्पादों का निर्यात यूके और अन्य देशों में किया जाता है।

डोटासरा ने की सांसदों एवं विधायकों से जीर्ण-शीर्ण सरकारी स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए आगे आने की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में झालावाड़ जिले में पीपलोदी गांव में सरकारी स्कूल की छत गिर जाने की हृदयविदारक घटना के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने प्रदेश के सभी सांसदों एवं विधायकों से राजनीति से ऊपर उठकर जनता के प्रति जनप्रतिनिधि की जवाबदेही का दायित्व निभाते हुए जीर्ण-शीर्ण सरकारी स्कूलों के भवन एवं अन्य जन उपयोगी भवन की मरम्मत एवं उन्हें ठीक कराने के लिए आगे आने की अपील की है ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। डोटासरा ने शनिवार को इस संबंध में एक पत्र लिखकर प्रदेश के सांसद एवं विधायक जनप्रतिनिधियों से यह अपील की। उन्होंने कहा यह वक्त पक्ष-विपक्ष का नहीं, जवाबदेही का है।

आइए.. हम सब राजनीति से ऊपर उठकर जनता के प्रति जनप्रतिनिधि की जवाबदेही का दायित्व निभाएं और संवेदना से संकल्प का प्रण दोहराएं ताकि फिर किसी स्कूल से चीखें ना आएं, फिर किसी मां की गोद सूनी ना हो, फिर किसी परिवार का चिराग ना बुझे, फिर झालावाड़ जैसे हादसों की पुनरावृत्ति ना हो उन्होंने अपील करते हुए कहा कि समस्त सांसद एवं विधायक जनप्रतिनिधि अपने संसदीय एवं विधानसभा क्षेत्रों में संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीलैड) एवं विधानसभा सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमएलएलैड) से जर्जर स्कूल के भवनों, आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं जन उपयोगी भवनों की प्राथमिकता से मरम्मत और सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यकता अनुसार राशि स्वीकृत कराने के लिए आगे आना चाहिए।

उन्होंने पत्र में लिखा कि पीपलोदी गांव की घटना हृदयविदारक है और भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। इसलिए हम सभी का दायित्व बनता है कि हम सब लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं कस्बों में स्थित शासकीय विद्यालय भवन, आंगनबाड़ी केंद्र तथा अन्य जनउपयोगी भवन जो वर्तमान में अत्यंत जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है।

विशेष रूप से वर्षा ऋतु के चलते इन भवनों की छतों में टपकाव , दीवारों में सीलन तथा संरचनात्मक क्षति की स्थिति उत्पन्न हो गई है जिससे आमजन एवं विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं सुविधा दोनों प्रभावित हो रही है। उल्लेखनीय है कि पीपलोदी हादसे के बाद शुक्रवार को डोटासरा ने कहा था कि सवाल सिर्फ स्कूल की छत गिरने और सिस्टम के ढहने का नहीं है। झालावाड़ के रोते-बिलखते परिवार और मां के आंसुओं पर जवाबदेही तय करने और नैतिक जिम्मेदारी से इस्तीफा देने का है।

बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : गजेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री तथा बीकानेर जिला प्रभारी मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि राज्य सरकार ने डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में जनकल्याण को सर्वोपरि रखते हुए कार्य किए हैं, जिससे अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को संबल मिला है। खींवसर शनिवार को बीकानेर कलेक्ट्रेट सभागार में राज्य सरकार के डेढ़ वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों, फ्लैगशिप एवं अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन तथा बजट घोषणाओं की प्रगति समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

गजेंद्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन, सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए प्रभारी मंत्री और सचिव स्तर पर पहली बात सतत समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी इसकी गंभीरता समझें और कार्य करें। बजट की प्रत्येक घोषणा का लाभ लक्षित वर्ग को मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने वर्तमान सरकार द्वारा अब तक जारी दोनों बजट की घोषणाओं की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घोषणा के क्रियान्वयन की समय सीमा का ध्यान रखें। विभागीय अधिकारी इसकी नियमित मॉनिटरिंग करें। प्रभारी मंत्री गजेंद्र सिंह ने कहा कि राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाएं अंत्योदय कल्याण की भावना को परिलक्षित करती हैं। पहली बार पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव जैसी महत्वाकांक्षी योजना लागू की गई हैं। वहीं मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान, लाडो प्रोत्साहन योजना, अटल प्रगति पथ तथा मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन जैसी योजनाएं और कार्यक्रम आमजन को आधारभूत सुविधाएं और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग के अधिकारी सरकार की भावना के अनुरूप कार्य करें तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक इसका लाभ पहुंचाएं।

गजेंद्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में चलाए जा रहे 'हरियालो राजस्थान' अभियान के दूरगामी परिमाण सामने आएंगे। इससे राजस्थान, हरित प्रदेश के रूप में विकसित होगा।

स्कूल भवन हादसा: राहुल गांधी ने मामले की जांच एवं दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की

नयी दिल्ली/जयपुर। कांग्रेस ने राजस्थान के झालावाड़ में एक सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा ढहने से हुई सात बच्चों की मौत को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और राहुल गांधी ने मामले की जांच किए जाने एवं दोषियों को कड़ी सजा दिए जाने की मांग की। यह घटना जिले के मनोहरथाना ब्लॉक के पीपलोदी सरकारी स्कूल में हुई। बच्चे सुबह की प्रार्थना के लिए इकट्ठा हो रहे थे तभी छठी और सातवीं कक्षा की छत गिरने से इमारत का एक हिस्सा ढह गया, जिसमें लगभग 35 बच्चे दब गए। इस हादसे में सात बच्चों की मौत हो गई जबकि 27 लोग घायल हो गए।

इस हादसे में कान्हा (छह), पायल (12), हरीश (आठ), प्रियंका (12), कुंदन (12), कार्तिक और मीना (12) की मौत हो गई। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक 'पोस्ट' में कहा कि राजस्थान के झालावाड़ में सरकारी स्कूल की छत गिरने से कई मासूम बच्चों की जान चले जाना बेहद पीड़ादायक और शर्मनाक घटना है। उन्होंने कहा, शिकायतें मिलने के बावजूद जो सरकार देश के भविष्य- हमारे बच्चों के विद्यालयों की छत की मरम्मत नहीं करवा सकती, वह 'विकसित भारत' के बड़े-बड़े सपने दिखाती है।

राजस्थान में कई जगह हुई भारी बारिश

जयपुर। राजस्थान के अनेक हिस्सों में एक नए मौसमी तंत्र के प्रभाव से भारी बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी अनेक जगह भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, पूर्वी भारत के ऊपर बना दबाव का क्षेत्र आज झारखंड व आसपास के क्षेत्रों के ऊपर है तथा इसके अगले 24 घंटों में आगे बढ़ने की पूरी संभावना है। इसके प्रभाव से पिछले 24 घंटों में पूर्वी राजस्थान में भारी से अतिभारी बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश दौसा में 158 मिलीमीटर दर्ज की गई।

आज शनिवार को कोटा, उदयपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी से अतिभारी बारिश व अजमेर, जोधपुर, जयपुर, भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम केंद्र के अनुसार, दक्षिण-पूर्वी व पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में 27 से 28 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी, अतिभारी बारिश व कहीं-कहीं अत्यंत भारी बारिश होगी। पूर्वी राजस्थान में भारी से अति भारी बारिश का दौर 29-30 जुलाई को भी जारी रहने का अनुमान है। इसी तरह जोधपुर, बीकानेर संभाग में भी आगामी 4-5 दिन बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने व कहीं-कहीं मध्यम से तेज बारिश होने की संभावना है।

राजकीय संस्थानों, विद्यालयों और आंगनबाड़ी भवनों की होगी मरम्मत : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झालावाड़ जिले के पीपलोदी ग्राम के राजकीय विद्यालय में हुई हृदय विदारक घटना को संज्ञान में लेते हुए जीर्ण-क्षीर्ण, मरम्मत योग्य राजकीय संस्थानों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी भवनों के मरम्मत संबंधी कार्य प्राथमिकता से करवाने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में उन्होंने डांग, मगरा, मेवात क्षेत्रीय विकास योजना के तहत इन संस्थानों और भवनों की मरम्मत हेतु अनुमत राशि को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का निर्णय किया है।

इसी प्रकार अब विधायक भी स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत किसी भी योजना से निर्मित राजकीय संस्थानों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी भवनों के मरम्मत संबंधी कार्यों के लिए अपने वार्षिक आवंटन की 20 प्रतिशत राशि की अनुशंसा कर सकेंगे। पहले एमएलए-लेड में निर्मित भवनों की मरम्मत का कार्य ही इस कोष से करवाया जा सकता था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी विधायकों से पुराने और जर्जर सरकारी स्कूलों के भवनों की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए प्राथमिकता से राशि की अनुशंसा करने का आग्रह किया है। इससे राजकीय संस्थानों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केन्द्र के भवनों का सुदृढ़ीकरण हो सकेगा तथा भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सकेगा।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने इस वर्ष के बजट में बिना भवन के और जर्जर विद्यालयों के नवीन भवनों के निर्माण और मरम्मत के लिए 375 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को भी 3 करोड़ रुपये मरम्मत कार्यों के लिए दिए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय और हवाई अड्डे को उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी ली

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री कार्यालय और जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने शनिवार को गहन तलाशी ली। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। हवाई अड्डे के आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेजी गई धमकी में मुख्यमंत्री कार्यालय और हवाई अड्डे को एक से दो घंटे के भीतर उड़ाने की बात कही गई थी। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई की और तलाशी अभियान चलाया।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, बम निरोधक दस्ते, पुलिस टीम, दमकल और नागरिक सुरक्षा दल को तुरंत मुख्यमंत्री कार्यालय और हवाई अड्डे पर तैनात कर दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था मज़बूत करने के लिए राज्य सचिवालय में अतिरिक्त पुलिसकर्मी भेजे गए। उन्होंने बताया कि बम निरोधक दस्ते ने मुख्यमंत्री कार्यालय और हवाई अड्डे के चपपे-चप्पे की तलाशी ली।

झालवाड़ हादसा

दो बच्चों को खोने वाली मां ने कहा 'मेरे घर के आंगन में खेलने वाला कोई नहीं बचा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झालावाड़। राजस्थान में झालावाड़ जिले के एक घर के जिस आंगन में कुछ दिन पहले तक दो भाई-बहन की हंसी गूंजा करती थी, अब वहां मातम पसरा हुआ है। झालावाड़ के पिपलोदी गांव में शुक्रवार को एक सरकारी स्कूल की इमारत ढहने की घटना में दो भाई-बहन समेत सात बच्चों की मौत हो गई। इस हादसे में छह साल के अपने बेटे कान्हा और 12 वर्षीय बेटी मीना को खोने के गम से बदहवास मां ने कहा, मेरा सबकुछ लुट गया। मेरे दो ही बच्चे थे। दोनों चले गए। मेरा घर सूना हो गया। मेरे आंगन में खेलने वाला कोई नहीं बचा। एक लड़का था, एक लड़की। भगवान मुझे ले जाता, मेरे बेटे-बेटी को छोड़ देता। शनिवार की सुबह जब सातों बच्चों के शव उनके परिवारों को सौंपे गए, तो एसआरजी अस्पताल के शवगृह के बाहर खड़े उनके परिजनों को संभालना मुश्किल हो गया। कुछ महिलाएं अपने बच्चों के शवों से लिपटकर विलाप कर रही थीं जबकि कुछ पीड़ित सदमे में मौन बैठे थे।

हादसे में मारे गए पांच बच्चों का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया गया जबकि दो बच्चों की अंत्येष्टि अलग-अलग की गई। घटना में अपने बच्चे को खोने वाली एक अन्य महिला ने घटना के समय स्कूल में मौजूद शिक्षकों की भूमिका पर सवाल उठाए। उसने कहा, मास्टर साहब भी स्कूल जाते हैं। खुद तो बाहर चले गए और बच्चों को अंदर छोड़ दिया। वे बाहर क्या कर रहे थे? इस हादसे ने राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में सरकारी विद्यालयों के बुनियादी ढांचे की स्थिति और व्यवस्थागत उपेक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

इस हादसे में मारे गए बच्चों में सबसे छोटा बच्चा केवल छह साल का था। मृतकों की पहचान पायल (12), हरीश (8), प्रियंका (12), कुंदन (12), कार्तिक और भाई-बहन मीना (12) एवं कान्हा (छह) के रूप में हुई है। स्कूल के पांच कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है और मामले की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री ने अपने बच्चों को खोने वाले परिवारों को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा दिए जाने की घोषणा की है। झालावाड़ के जिलाधिकारी अजय सिंह ने शोकसंतप्त परिवारों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और कहा कि इस मामले के दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, स्कूल के पांच कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है और जांच समिति गठित की गई है। जरूरत पड़ने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। अगर निलंबन के बाद निष्कासन करना पड़ा तो वह भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता एवं सहयोग दिया जा रहा है और स्कूली शिक्षा मंत्री ने गांव में एक नया भवन बनवाने की घोषणा की है। अधिकारी ने कहा कि नियमानुसार आर्थिक सहायता पांच से 10 दिन में प्रत्येक परिवार को प्रदान कर दी जाएगी। जिलाधिकारी ने स्कूली शिक्षा मंत्री के दौरे से पहले झालावाड़ के एक अस्पताल के बाहर सड़क की मरम्मत कराए जाने संबंधी एक वीडियो को लेकर कहा, सड़क कहां बनी है? मैं जानकारी प्राप्त करूंगा। मुझे इसकी जानकारी नहीं है।

सिंह ने स्कूल भवन की मरम्मत के बारे में कहा, इसके लिए स्पष्ट निर्देश हैं। जिला प्रशासन यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है कि ऐसी घटना दोबारा नहीं हो। जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि यदि भवन की स्थिति ठीक नहीं है तो विद्यार्थियों को स्कूल में प्रवेश न करने दिया जाए।

उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्कूल के कर्मियों ने इमारत की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी थी। मनोहर थाना ब्लॉक के पीपलोदी सरकारी स्कूल में बच्चे शुक्रवार सुबह प्रार्थना के लिए इकट्ठा हो रहे थे कि तभी इमारत का एक हिस्सा ढह गया। इस घटना से गुस्साए स्थानीय लोगों ने गुराड़ी चौराहे और एसआरजी अस्पताल के बाहर सड़क मार्ग को बाधित कर दिया और हादसे की जिम्मेदारी तय किए जाने की मांग की। इस विरोध प्रदर्शन में शामलि कांग्रेस नेता नरेश मीणा को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

पुलिस को सड़क से हटाने के लिए जब गुराड़ी चौराहे पहुंची तो प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और उन्होंने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे शनिवार को पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचीं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने करगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को करगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनके शौर्य एवं बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने पोस्ट में एम के स्टालिन ने लिखा, ''इस करगिल विजय दिवस पर, उन बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि जिन्होंने अद्वितीय साहस के साथ हमारी मातृभूमि की रक्षा की और अपने प्राणों की आहुति दी।'' स्टालिन ने कहा, ''उनकी वीरता और बलिदान को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा।'' हर साल 26 जुलाई को करगिल विजय दिवस मनाया जाता है। साल 1999 में इसी दिन भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन विजय' की सफलता की घोषणा की थी। उस समय लद्दाख के करगिल में पाकिस्तानी घुसपैठियों से तीन महीने तक चले संघर्ष के बाद भारत को जीत हासिल हुई थी। इस युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों ने द्रास, करगिल और बटालिक सेक्टरों में कठिन मौसमी स्थिति होने के बावजूद सबसे चुनौतीपूर्ण इलाकों में युद्ध लड़ा और जीत हासिल की। इस युद्ध में 500 से अधिक सैनिकों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया तथा पाकिस्तानी घुसपैठियों से कब्जे वाले क्षेत्र का एक-एक इंच इलाका वापस हासिल किया था।

मंत्री थेनारासु प्रधानमंत्री मोदी को ज्ञापन सौंपेंगे

चेन्नई। तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेनारासु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राज्य में क्रियान्वित की जाने वाली विकास परियोजनाओं पर एक ज्ञापन सौंपेंगे। राज्य सरकार ने शनिवार को एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति के मुताबिक मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कई परियोजनाओं के संबंध में प्रधानमंत्री मोदी को दिए जाने वाले ज्ञापन पर मुख्य सचिव एन मुरुगनंदम के साथ विचार-विमर्श किया। इसमें कहा गया कि ज्ञापन पर विचार-विमर्श के दौरान सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सांसद कनिमोई और शीर्ष अधिकारी उपस्थित थे।

आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को सौंपे जाने वाले ज्ञापन को मंजूरी दे दी है। स्टालिन ने कहा कि चूंकि वह अस्पताल में हैं, इसलिए उन्होंने मुख्य सचिव के माध्यम से ज्ञापन भेजा है और इसे थंगम थेनारासु द्वारा प्रधानमंत्री को सौंपा जाएगा, जो शनिवार रात दो दिवसीय दौरे पर तमिलनाडु आ रहे हैं।

बृहदेश्वर मंदिर का संरक्षण और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता: केंद्रीय मंत्री शेखावत

तंजावुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को कहा कि बृहदेश्वर मंदिर का संरक्षण और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। शेखावत ने यहां पत्रकारों से कहा कि चूंकि चोल वंश के समय का यह मंदिर यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल है, इसलिए इसके संरक्षण और सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि सरकार सबसे बड़े पर्यटन स्थलों में से एक तंजावुर को पर्यटकों के और अधिक अनुकूल बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

एनआईए ने मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने के आरोपी व्यक्ति के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

नई दिल्ली/चेन्नई। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने तमिलनाडु में मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में कथित तौर पर संलिप्त आईएसआईएस से जुड़े मुख्य आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि तमिलनाडु के मयिलादुथुराई निवासी अल्फासिथ को पूनामल्ले (तमिलनाडु) स्थित एनआईए की विशेष अदालत में दायर आरोपपत्र में आरोपी बनाया गया है।

संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि आरोपी अल्फासिथ कट्टरपंथी मुस्लिमों और मोहम्मद आशिक और साथिक बाचा सहित आईएसआईएस के कट्टर समर्थकों के साथ करीब से जुड़ा था। आशिक और बाचा पर तमिलनाडु में कई आतंकवाद संबंधी मामलों में संलिप्त थे। बयान के मुताबिक एनआईए ने जांच के दौरान पर्याप्त सबूत पाए कि अलफसिथ और उसके सहयोगियों ने सैकड़ों युवा मुस्लिम लड़कों को निशाना बनाकर सोशल मीडिया मंच के माध्यम से आईएसआईएस से संबंधित वीडियो, दस्तावेज और तस्वीरें प्रसारित कीं। एनआईए ने कहा कि उसने देश की एकता, सुरक्षा और सांप्रदायिक सद्भाव को खतरा पहुंचाने का लक्ष्य बनाकर गैरकानूनी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 'इस्लामिक स्टेट' और 'ब्लैक फ्लैग सोल्जर्स' जैसे कई व्हाट्सऐप और टेलीग्राम समूह बनाए थे। बयान के मुताबिका उनका एजेंडा आईएसआईएस की विचारधारा को फैलाना और लक्षित युवाओं को कट्टरपंथी बनाना था। एनआईए ने बताया कि जांच में खुलासा हुआ कि अल्फासिथ वैश्विक आतंकवादी समूह आईएसआईएस की गतिविधियों पर नजर रखता था और उसने आईएसआईएस द्वारा संचालित टेलीग्राम चैनल 'नशीदा33' (अल वाला वल बारो') से आपत्तिजनक वीडियो और दस्तावेज डाउनलोड किए थे।

मोदी ने तमिलनाडु में 4,900 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तूतीकोरिन/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को तमिलनाडु में 4,900 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण किया।

ये परियोजनाएं तमिलनाडु में हवाई अड्डे, राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाह और बिजली से संबंधित हैं। जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया उनमें एक नया अत्याधुनिक तूतीकोरिन हवाई अड्डा टर्मिनल भवन शामिल है, जिसे लगभग 450 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित किया गया है। नये टर्मिनल का निर्मित क्षेत्रफल 17,000 वर्ग मीटर से अधिक है और इसमें संबद्ध बुनियादी ढांचा भी है, जिसमें एक नया एटीसी टावर सह तकनीकी ब्लॉक, बड़े विमानों को समायोजित करने के लिए मौजूदा 1,350 मीटर से 3,115 मीटर तक रनवे का विस्तार शामिल है।

नया हवाई अड्डा टर्मिनल प्रतिवर्ष 20 लाख यात्रियों को सेवा प्रदान करने में सक्षम है, जो मौजूदा क्षमता से छह गुणा अधिक है।

रेलवे परियोजनाओं के संबंध में, इसमें 90 किलोमीटर लंबी मदुरै-बोदिनायक्कनूर लाइन का विद्युतीकरण शामिल है, जिसे 99 करोड़ रुपये की लागत से चालू किया गया है। लगभग 650 करोड़ रुपये की लागत से 21 किलोमीटर लंबे नागरकोइल टाउन-कन्नियाकुमारी खंड का दोहरीकरण, 283 करोड़ रुपये की लागत से अरलवायमोझी-नागरकोइल जंक्शन (12.87 किमी) और तिरुनेलवेली-मेलापलायम (3.6 किमी) खंड का दोहरीकरण अन्य परियोजनाएं हैं। प्रधानमंत्री ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण दो राजमार्ग परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं। इनमें राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-36 के 50 किलोमीटर लंबे सेठियाथोप-चोलापुरम खंड को 4 लेन का बनाना, जिसका निर्माण 2,350 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है, तथा एनएच-138 तूतीकोरिन पोर्ट रोड का 5.16 किलोमीटर लंबी छह लेन का बनाना, जिसका निर्माण लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है। उन्होंने वी ओ चिदंबरनार बंदरगाह पर 285 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित 6.96 एमएमटीपीए क्षमता वाले नॉर्थ कार्गो बर्थ-तीन का उद्घाटन किया।

इस मौके पर तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेनारासु ने प्रधानमंत्री को चेन्नई के प्रतिष्ठित वल्लुवर कोट्टम की प्रतिकृति, एक स्मृति चिह्न भेंट किया।

इस अवसर पर समाज कल्याण मंत्री पी. गीता जीवन, लोकसभा सदस्य कनिमोई और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

केरल के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश से व्यापक नुकसान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के विभिन्न हिस्सों में शुक्रवार रात से हो रही भारी बारिश के कारण व्यापक क्षति हुई है और नदियों एवं बांधों में जलस्तर बढ़ गया है, जिसके कारण मौसम विभाग ने नौ जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को पथानामथिट्टा, कोट्टायम, इडुक्की, एर्णाकुलम, त्रिशूर, पलक्कड़, मलप्पुरम, कोझीकोड और वायनाड जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया। शेष पांच जिलों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया। आईएमडी ने कहा कि केरल में अगले पांच दिनों तक बारिश जारी रहने की संभावना है, शनिवार और रविवार को 50-60 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

साथ ही, तेज हवाओं और प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण शनिवार से बुधवार तक केरल-कर्नाटक-लक्षद्वीप तटों पर मछली पकड़ने की गतिविधियों पर रोक लगाने की सलाह दी गई है। कोझिकोड के कई हिस्सों में रात भर हुई भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण पेड़ उखड़ गए तथा मकान और वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। बिजली की लाइनें और खंभे गिर गए, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। कोट्टायम, पलक्कड़ और कन्नूर जिलों से भी ऐसी ही घटनाएं सामने आईं। वायनाड स्थित बाणासुर सागर बांध और पलक्कड़ जिले के अलियार बांध के जलग्रहण क्षेत्रों में जल स्तर बढ़ने के बाद उनके फाटक खोल दिए गए हैं। इन जलाशयों के निचले इलाकों में रहने वाले निवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। 'इरिजेशन डिजाइन एंड रिसर्च बोर्ड' (आईडीआरबी) और केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने विभिन्न नदियों के लिए अलर्ट जारी किया है, जिनका जलस्तर भारी बारिश के कारण खतरनाक रूप से बढ़ गया है। पथानामथिट्टा में मणिमाला, अचनकोविल और पंबा नदियों के लिए अलर्ट जारी किए गए।

सुंदरम होम फाइनेंस ने जून तिमाही में 62 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया

चेन्नई। सुंदरम होम फाइनेंस लिमिटेड ने शनिवार को बताया कि अप्रैल-जून 2025 तिमाही में उसका शुद्ध लाभ मामूली गिरावट के साथ 62 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 66 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

समीक्षाधीन तिमाही के दौरान ऋण वितरण बढ़कर 1,488 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह आंकड़ा 1,353 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बयान में कहा कि 30 जून, 2025 तक उसकी प्रबंधनाधीन संपत्ति (एयूएम) 18,027 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 14,533 करोड़ रुपये थी। सुंदरम होम फाइनेंस के प्रबंध निदेशक डी लक्ष्मीनारायणन ने कहा कि इस साल गुजरात में 180 करोड़ रुपये वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है। कंपनी ने अप्रैल-जून 2025 तिमाही के दौरान गुजरात में चार शाखाओं का उद्घाटन किया, जिनमें से एक सूरत में है। दक्षिण भारत में पारंपरिक रूप से मजबूत, सुंदरम होम फाइनेंस ने महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी अपना विस्तार किया है।

केरल के कांग्रेस नेता की फोन पर हुई बातचीत लीक हुई, चुनावों में पार्टी का बुरा हाल होने की आंशका जताई

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पालोदे रवि और स्थानीय कार्यकर्ता के बीच फोन पर हुई बातचीत लीक हो गई, जिसमें रवि ने आगामी स्थानीय निकाय व विधानसभा चुनाव में पार्टी का बुरा हाल होने की आशंका जताई है। इस बातचीत ने चुनावों से पहले कांग्रेस को एक अप्रिय स्थिति में डाल दिया है। शनिवार को मलयाली टीवी चैनलों पर प्रसारित इस बातचीत में रवि पार्टी के अंदरूनी मुद्दों पर चिंता व्यक्त करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

रवि ने तुरंत स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि बातचीत का उद्देश्य केवल जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को प्रेरित करना था। फोन कॉल की लीक हुई बातचीत में रवि ने वामनपुरम के एक स्थानीय कार्यकर्ता से कहा कि स्थानीय नेताओं के बीच गुटबाजी और स्वार्थ पार्टी को नुकसान पहुंचा रहे हैं, तथा आपसी सम्मान व विश्वास खत्म हो गया है। रवि ने दावा किया, वे सिर्फ एक-दूसरे की पीठ में छुरा घोंपने में लगे हैं, और कोई भी जनता के बीच काम नहीं कर रहा। रवि ने चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसी परिस्थितियों में, कांग्रेस स्थानीय निकाय चुनावों में तीसरे स्थान पर रहेगी और अगले विधानसभा चुनाव में बुरा प्रदर्शन करेगी। बातचीत के दौरान रवि कहते हैं, भाजपा कम से कम 60 विधानसभा सीटों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जहां वे पैसा बांटेंगे और लगभग 50,000 वोट हासिल करेंगे। कांग्रेस वे सीटें हार जाएगी और माकपा शासन करती रहेगी। यह बातचीत ऐसे समय में लीक हुई है जब कांग्रेस नेतृत्व प्रबल आशा व्यक्त कर रहा है कि आगामी चुनावों में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) बड़ी जीत दर्ज करेगा।

तमिलनाडु में पुलिस भी सुरक्षित नहीं : अन्नाद्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्य विपक्षी दल 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने शनिवार को दावा किया कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति इतनी खराब हो गई है कि पुलिस भी सुरक्षित नहीं है। अन्नाद्रमुक नेता ने 18 जुलाई को एग्मोर में कथित हमले में सशस्त्र रिजर्व पुलिस उपनिरीक्षक की मौत की खबर के संदर्भ में कहा कि आधी रात अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उपनिरीक्षक पर ''हमला स्तब्ध करने वाली'' है।

पलानीस्वामी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह तथ्य कि एक पुलिस उपनिरीक्षक पर हमला किया गया और उसकी मौत हो गई, एक बार फिर साबित करता है कि कानून एवं व्यवस्था की स्थिति इस हद तक बिगड़ गई है कि द्रमुक शासन में पुलिस बल के पास भी कोई सुरक्षा नहीं है।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारियों पर हमला होने, इस्तीफा देने या सार्वजनिक रूप से विचार व्यक्त करने की खबरें दर्शाती हैं कि राज्य सरकार स्थिति को संभालने में असमर्थ है।

अन्नाद्रमुक नेता ने कहा, ''मैं स्टालिन की द्रमुक सरकार से उपनिरीक्षक की हत्या के मामले की ईमानदारी से जांच करने और दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने का आह्वान करता हूं।''

केरल के मुख्यमंत्री ने सौम्या हत्याकांड के दोषी के जेल से फरार होने के मामले की जांच के आदेश दिये

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने 2011 के चर्चित सौम्या हत्याकांड मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कुख्यात अपराधी गोविंदाचामी के कन्नूर केंद्रीय कारागार से फरार होने की घटना का शनिवार को विस्तृत जांच करने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, केरल उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सी.एन. रामचंद्रन नायर और राज्य के पूर्व पुलिस प्रमुख जैकब पुन्नूस विशेष जांच करेंगे।

विजयन ने कहा कि यह जांच मौजूदा पुलिस जांच और विभागीय जांच के अतिरिक्त होगी। उन्होंने कन्नूर केंद्रीय कारागार में हुई घटना को 'अत्यंत गंभीर' बताया और विस्तृत जांच तथा कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि मौजूदा जांच शीघ्रता से पूरी की जाए। यहां जारी विज्ञप्ति के मुताबिक एक उच्च स्तरीय बैठक में विजयन ने जेल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई निर्देश दिए, जिनमें अगले तीन महीनों के भीतर राज्य की सभी चार प्रमुख कारागारों में बिजली की बाड़ को पूरी तरह से चालू करना और विस्तृत निगरानी के लिए कृत्रिम मेधा आधारित सीसीटीवी कैमरे लगाना शामिल है।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि एक ही कारागार में पांच वर्ष से अधिक समय तक सेवा करने वाले कर्मचारियों को स्थानांतरित किया जाए, ताकि लंबे समय तक तैनाती से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को रोका जा सके तथा कारागारों के भीतर खुफिया जानकारी जुटाने के प्रयासों को बढ़ाया जा सके। विज्ञप्ति के मुताबिक अन्य निर्णयों में उच्च जोखिम वाले कैदियों को अंतरराज्यीय स्थानांतरण पर विचार करना, जेलों में वीडियो कॉन्फ्रेंस प्रणाली को मजबूत करना और कैदियों के लिए सुविधाओं में सुधार करना शामिल है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मौजूदा कारागारों में भीड़भाड़ की समस्या से निपटने के लिए एक नई कारागार की आवश्यकता है। कोट्टयम और पत्तनमथिट्टा जिलों में नई जेल के लिए भूमि की पहचान करने के प्रयास किए जाएंगे।

गोविंदाचामी उर्फ गोविंदस्वामी (41) शुक्रवार सुबह 4.15 से 6.30 बजे के बीच कन्नूर केंद्रीय कारागार से फरार हो गया और सुबह करीब 9.30 बजे शहर की सीमा में उसे फिर से पकड़ लिया गया। घटना के बाद उसे शनिवार को त्रिशूर की वियूर केंद्रीय कारागार स्थानांतरित कर दिया गया। शोरनूर के पास मंजक्कड़ की 23 वर्षीय सौम्या से एक फरवरी 2011 को एर्नाकुलम से शोरनूर जा रही एक यात्री ट्रेन में सफर करते समय गोविंदाचामी ने कथित तौर पर बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी थी।

करूर वैश्य बैंक ने 109वां स्थापना दिवस मनाया : आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने साइबर सुरक्षा पहल का शुभारंभ किया

करूर। भारत के सबसे पुराने और सबसे विश्वसनीय बैंकिंग संस्थानों में से एक, करूर वैश्य बैंक (केवीबी) ने शनिवार को करूर में अपना 109वाँ स्थापना दिवस बड़े गर्व और उत्साह के साथ मनाया। इस विशेष अवसर पर भारतीय रिज़र्व बैंक के डिप्टी गवर्नर श्री स्वामीनाथन जे. मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर मूल्यवान ग्राहकों की उपस्थिति रही, तथा निदेशक मंडल के सदस्य, संस्थापक परिवार और कर्मचारी सभी बैंक की विश्वास, सेवा और सामुदायिक जुड़ाव की समृद्ध विरासत को याद करने के लिए एकत्रित हुए।

समारोह के एक भाग के रूप में, स्वामीनाथन जे ने त्रिची में केवीबी की साइबर सुरक्षा जागरूकता पहल का भी दूरस्थ रूप से शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य जनता के बीच डिजिटल सुरक्षा और ज़िम्मेदार वित्तीय प्रथाओं को बढ़ावा देना है। यह पहल जनसंचार माध्यमों, ऑफ़लाइन और शाखा सक्रियताओं, और स्कूलों,

कॉलेजों, कार्यस्थलों, आवासीय समुदायों और वरिष्ठ नागरिक मंचों पर विशेष रूप से आयोजित कार्यशालाओं के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुँचेगी – जिससे छात्रों और कामकाजी पेशेवरों से लेकर गृहिणियों और सेवानिवृत्त लोगों तक, सभी आयु वर्गों में जागरूकता पैदा होगी। इस अवसर पर बोलते हुए, करूर वैश्य बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ रमेश बाबू ने कहा, केवीबी की स्थापना एक सरल लेकिन गहन उद्देश्य के साथ की गई थी; ईमानदारी, विवेक और देखभाल के साथ सेवा करना। इस विरासत के 109 गौरवशाली वर्षों का जश्न मनाते हुए, हम गर्व और नए उद्देश्य के साथ अपने 110वें वर्ष में कदम रख रहे हैं। यह स्थापना दिवस न केवल हमारे अतीत का सम्मान करता है, बल्कि एक सुरक्षित डिजिटल भविष्य के लिए हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। हमारे व्यापक साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से, हमारा लक्ष्य समाज के हर वर्ग को आज की डिजिटल दुनिया में सतर्क और सुरक्षित रहने के लिए शिक्षित और सशक्त बनाना है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, हम उसी ईमानदारी और विश्वास को बनाए रखते हुए जिम्मेदारी से बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसने अपनी स्थापना के बाद से केवीबी को परिभाषित किया है।

सुविचार

आत्मविश्वास का मतलब है कि आप अपने सपनों का पीछा करें, चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ आएं।

ट्वीट

मैं आप सभी का दर्द महसूस कर सकती हूँ, क्योंकि मैं भी एक माँ हूँ। मैं जानती हूँ कि एक माँ अपने बच्चे को कितने स्नेह और सपनों के साथ बड़ा करती है। यह ऐसा दुःख है, जिसकी कोई सीमा नहीं होती।

-वसुंधरा राजे

कारगिल विजय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। यह दिन हमें उन अमर जवानों की याद दिलाता है, जिन्होंने कारगिल की दुर्गम पहाड़ियों में अपने अद्भुत शौर्य और पराक्रम की मिसाल कायम करते हुए शत्रुओं को परास्त किया और पुन: तिरंगा लहराया।

-गोविंद सिंह डोटासरा

कहानी

बाल गुरु

मृदुला गर्ग

लड़का तब चौथी कक्षा में पढ़ता था। इतिहास की क्लास चल रही थी। टीचर बोल रही थी कि बस बोल रही थी। ज्ञानवर्द्धक अच्छी-अच्छी बातें। कम अज कम कयास तो यही लगाया जाता है। सहसा उस पर नजर पड़ी कि झपट ली, अकबर के पिता का नाम बतलाओ। मुझे नहीं मालूम, उसने कहा। क्यों नहीं मालूम? जो मैं कह रही थी, सुन नहीं रहे थे?

नहीं। क्यों नहीं? टीचर का पारा आहिस्ता-आहिस्ता ऊपर चढ़ रहा था हालाँकि उसे अपने संयत स्वभाव पर खासा गर्व था। मैं सोच रहा था, जवाब ने उसे कुछ और चिढ़ाया। वाकई! किस बारे में सोच रहे थे? बारे में नहीं, बस सोच रहा था। वाह! हम भी जानें क्या सोच रहे थे? वह पता होता तो मैं सोचना बंद न कर देता। गहरे सोच में डूबे उसने कहा।

टीचर का दिमागी थरमामीटर टूटने की कगार पर पहुँच गया। फिर भी खुद पर काबू रखा। वह नहीं चाहती थी उसका रक्तचाप और बढ़े। पहले लापरवाही, ऊपर से बदतमीजी! सख्त पर मद्धिम स्वर में उसने कहा, चलो प्रिन्सिपल के पास।

प्रिन्सिपल अजब उलझन में पड़ गया। सोचना शुरू किया तो सोच का दायरा बढ़ता चला गया। क्या सोचना गलत था?

क्या सच बोलना गलत था? सही क्या था और क्या गलत? ज्यादा महत्वपूर्ण क्या था, सोच-विचार करके सत्य की पड़ताल करना या तथ्यों की सूची का बखान सुनना? उस दौरान टीचर उसके खिलाफ शिकायतों की एक लंबी फेहरिस्त गिनाती रही। बर बार इस जुमले को दुहरा कर, हालाँकि अपने लंबे शिक्षण काल में उसने अपने गुस्से पर काबू रखना काफी अच्छी तरह सीख लिया था पर हर चीज की एक हद होती है। हद पार कर लेने पर भी किसी को उसके किए की सजा न मिले तो फिर कोई हद बाकी नहीं रहती। भाषा और मुहावरे पर उसकी पकड़ उस्तादों वाली थी। आखिर थी जो उस्ताद, वह भी इतिहास की। काफी देर बोल लेने के बाद उसने पूछा, तो आपका क्या निर्णय है?

सॉरी, प्रिन्सिपल ने कहा, आपने क्या कहा, मैंने सुना नहीं।

मैंने पूछा, आपका क्या निर्णय है? वह नहीं। उससे पहले आपने जो कहा, मैं सुन नहीं पाया। कुछ नहीं! कैसे? क्यों? टीचर अकबकाई। मैं सोच रहा था। क्या सोच रहे थे? वह पता होता तो मैं सोचना बंद न कर देता... उसने कहना शुरू किया, फिर सँभल कर रुक गया। क्या वह भ्रष्ट हो रहा था? जो था, उससे अलग होने के लिए, उसकी उम्र शायद ज्यादा हो चुकी थी। उसने लड़के को कड़ी चेतावनी दी। स्कूल के नियम-कायदों के मुताबिक रहना सीखे। दुबारा ऐसी गुस्ताखी की तो स्कूल से निकाला भी जा सकता था। अगले दिन, प्रिन्सिपल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा माँगा नहीं गया था। उसने खुद-ब-खुद निर्णय ले लिया।

लड़का अपनी गति से चलता रहा और आखिर दसवीं कक्षा का इम्तिहान पास कर गया। उतने ऊँचे अंकों से नहीं, जितने की उसके माता-पिता को उम्मीद थी। पर जितने उसकी टीचर के अनुसार आने चाहिए थे, उनसे कहीं ज्यादा ले कर। उसकी माँ, इम्तिहान से दो महीने पहले उसे पीलिया हो जाने को कम अंकों के लिए जिम्मेवार ठहरा रही थी तो क्लास टीचर बीमारी के बावजूद उतने अंक पाने के लिए, उसकी बेपनाह-बदतमीज जिद को।

जो हो, वह दसवीं के बोर्ड इम्तिहान के साथ जूनियर साइंस टैलंट छात्रवृत्ति के लिखित पर्चे में भी पास हो गया।

अगले दिन साक्षात्कार या मौखिक इम्तिहान होना था कि अचानक उसे जोरों का बुखार चढ़ गया। कोई बात नहीं, माँ ने सोचा, आधुनिक चिकित्सा जिंदाबाद! एक ही दिन में एंटीबायोटिक का चमत्कार बुखार नीचे ले आएगा। अगली सुबह वह इम्तिहान दे लेगा। साक्षात्कार के लिए इस्त्री की हुई साफ-सुथरी कमीज और पैंट आलमारी में टँगी थीं। बस जूते गंदे थे, बहुत नहीं पर पॉलिश की चमक से महरूम। साक्षात्कार के लायक कदापि नहीं।

शाम घिर आई। बुखार तब भी काफी तेज बना रहा। जूते पॉलिश नहीं हो पाए। क्यों न जूतों को मोची के पास भेज कर पॉलिश करवा लें, माँ ने सुझाव रखा, इतने तेज बुखार में तुम नहीं कर पाओगे, है न? नहीं, उसने कहा, मैं खुद करूँगा। कब? जवाब नहीं आया। सुबह बहुत जल्दी घर से निकलना है। बुखार की बात छोड़ो। न भी होता तो सुबह जूते पॉलिश करने का वक्त नहीं होता तुम्हारे पास। जवाब फिर भी नदारद रहा। आँखें मुँदी देख माँ ने सोचा, शायद नींद आ गई है। बुखार उतारने के लिए आराम करना, बल्कि सो रहना, निहायत जरूरी था। सो उसे सोने दिया।

पर जूते? बे-पॉलिश जूते सिर पर सवार थे। बमुश्किल एक घंटा अधैर्य पर काबू रखा फिर हथियार डाल दिए। जूते ले कर बैठ गई। वैसे भी जूते पॉलिश करने के अपने कौशल पर उसे काफी नाज था।

हमेशा की तरह जूते पॉलिश करने में बहुत मजा आया। कैसे उन्होंने उसके हाथों के इशारों पर नई जिंदगी पाई। एक पल वे सड़क के गलीज बच्चों की तरह दीख रहे थे तो दूसरे पल, पब्लिक स्कूल के चमचमाते छात्रों की मानिंद! वाह! अपने चेहरे और प्यार भरे दिल की हूबहू प्रतिछाया देखने के लिए पॉलिश किए जूतों से उम्दा आरसी नहीं मिलेगी। हाथ कंगन को आरसी क्या? वाजिब है। पर दिल तो हम हाथ में लिए घूमते नहीं। उसे चाहिए एक जोड़ी पॉलिश किए जूते। उसे अपने पर गर्व हो आया। बड़ी आजिजी से चमचमाते जूते उसके बिस्तर के बराबर रख दिए। आँख खुलते ही उन पर नजर पड़ेगी।

अलसुबह बुखार जाँचा। था तेज। पर चारा क्या था। सँभाल लेगा। उसके लिए नाश्ता तैयार किया। मेज पर रख, बेटे को बुलाने उसके कमरे में गई। देखा, वह हाथ में जूता पकड़े फर्श पर बैठा था।

मैंने कल रात पॉलिश कर दिए थे, उसने सगर्व कहा। मालूम है, उसने कहा और ब्रश उठा लिया। तब जाकर उसकी नजर जूतों पर गड़ी। जहाँ-तहाँ मिट्टी लिसड़ी पड़ी थी। पर... कैसे? वह मनोयोग से जूतों पर ब्रश मारता रहा। फिर पास रखा कपड़ा उठा उन्हें चमकाने लगा। ''पर जूते... मैंने पॉलिश...'' उसने निरर्थक संवाद बोला। तभी मुझे बगीचे से मिट्टी ला कर उन पर डालनी पड़ी। मेरे जूते मेरे सिवा कोई पॉलिश नहीं करता। उसका चेहरा जूतों की तरह चमक रहा था।

लड़का अब बीस बरस का हो चुका था। अमरीका के सैन फ्रेंन्सिस्को शहर में काम कर रहा था। तभी वहाँ बीसवीं सदी का मशहूर जलजला आया। माँ को आ चुकने पर पता चला। टी.वी. की मार्फत। देखा, सुना और महसूसा। एक बार नहीं, बार-बार। वे गोल्डन गेट के पास धसकी जमीन में गिरी मोटरगाड़ी को बार-बार दिखला रहे थे। बार-बार देखने पर लगता है, एक नहीं, अनेक हादसे घट लिए। बशर्ते आपका उनसे निजी सरोकार हो। हादसा तभी हादसा बनता है न जब किसी को कोई फर्क पड़े?

छत्तीस घंटे अकेले हादसे महसूसते गुजरे। तमाम फोन लाइने बंद थीं, किसी और रास्ते खबर मिलनी मुमकिन न थी। उससे बात हो पाने का तो सवाल ही नही था। छत्तीस घंटे बीत जाने पर आखिर फोन लगा। प्याला टूट गया, उसने कहा।

तुम्हारे सब दोस्त ...दफ्तर में सहयोगी, सब ठीक हैं? प्याला टूट गया, उसने फिर कहा। किस प्याले की बात कर रहा था वह। कोई कप होगा; जीत में मिला होगा। पर उसकी परवाह कब से होने लगी उसे! क्या बहुत कीमती था? खासा बेवकूफ महसूस करते हुए उसने पूछा। नहीं। वह खाली मेज के बीचोंबीच रखा था, फिर भी टूट गया। तुमने टूटते देखा? हाँ। मैंने तभी मेज के बीचोंबीच रखा था। मेज बिल्कुल खाली थी। तुम समझ रही हो न? मेज पर और कुछ नहीं था। फिर भी वह टूट गया। टकराए बिना गिर कर? वही तो। समझी, जलजला बहुत बुरा था। बुरा नहीं, बड़ा था। उसने कहा।

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

शिवोऽहम्...(2)

शिवोऽहम के संदर्भ में आज निर्वाण षटकम के दूसरे श्लोक पर विचार करेंगे।

न च प्राणसंज्ञो न वै पंचवायु:
न वा सप्तधातु: न वा पंचकोश:।
न वाक्पाणिपादं न चोपस्थपायु
चिदानन्दरूप: शिवोऽहम शिवोऽहम।।

न मैं मुख्य प्राण हूँ और न ही मैं पंचप्राणों में से कोई हूँ। न मैं सप्त धातुओं में से कोई हूँ, न ही पंचकोशों में से कोई। न मैं वाणी, हाथ, अथवा पैर हूँ, न मैं जननेंद्रिय या मलद्वार हूँ। मैं सदा शुद्ध आनंदमय चेतन हूँ, मैं शिव हूँ , मैं शिव हूँ। जगद्गुरु आदि शंकराचार्य के इस अद्भुत आत्मपरिचय को यथासंभव समझने का प्रयास जारी रखेंगे।

वैदिक दर्शन में प्राण को ही प्रज्ञा भी कहा गया। शाखायन आरण्यक का उद्घोष है,

यो व प्राण: सा प्रज्ञा, या वा प्रज्ञा स प्राण:

अर्थात जो प्राण है, वही प्रज्ञा है। जो प्रज्ञा है वही प्राण है।

प्राण, वायु के माध्यम से शरीर में संचरित होता है। संचरण करने वाली वायु पाँच स्थानों पर मुख्यत: स्थित होती है। इन्हें पंचवायु कहा गया है। पंचवायु में प्राण, अपान, समान, व्यान, और उदान समाविष्ट हैं।

स्थूल रूप से समझें तो प्राणवायु का स्थान नासिका का अग्रभाग माना गया है। यह सामने की ओर गति करने वाली है। प्राणवायु देह तथा प्राण की अधिष्ठात्री है। अपान का अर्थ है नीचे जाने वाली। अपान वायु गुदा भाग में होती है। मूत्र, मल, शुक्र आदि को शरीर के निचले भाग की ओर ले जाना इसका कार्य होता है। समान वायु संतुलन बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसका स्थान आमाशय बताया गया है। भोजन का समुचित पाचन इसका दायित्व है। व्यान वायु शरीर में सर्वत्र विचरण करती है। इसका स्थान हृदय माना गया है। रक्त के संचार में इसकी विशेष भूमिका होती है। उदान का अर्थ ऊपर ले जाने वाली वायु है। अपने उर्ध्वगामी स्वभाव के कारण यह कंठ, उर, और नाभि में स्थित होती है। वाकशक्ति मूलरूप से इस पर निर्भर है।

इसी तरह त्वचा, मांस, मेद, रक्त, पेशी, अस्थि एवं मज्जा, शरीर की सप्तधातुएँ हैं। इनमें से किसी एक के अभाव में मानवशरीर की रचना दुष्कर है। शरीर में इनका संतुलन बिगड़ने पर अनेक प्रकार के विकार जन्म लेते हैं।

अन्नमय, मनोमय, प्राणमय, विज्ञानमय, आनंदमय, शरीर के पंचकोश हैं। हर कोश का नामकरण ही उसे परिभाषित करने में सक्षम है। विभिन्न कोशों द्वारा चेतन, अवचेतन एवं अचेतन की अनुभूति होती है।

जगद्गुरु उपरोक्त श्लोक के माध्यम से अस्तित्व का विस्तार प्राण, पंचवायु, सप्तधातु, पंचकोश से आगे ले जाते हैं। तीसरी पंक्ति में वर्णित वाणी, हाथ, पैर, जननेंद्रिय अथवा गुदा तक, स्थूल या सूक्ष्म तक आत्मस्वरूप को सीमित रखना भी हाथी के जितने भाग को स्पर्श किया, उतना भर मानना है।

विवेचन करें तो मनुष्य को ज्ञात सारे आयामों से आगे हैं शिव। शिव का एक अर्थ कल्याण होता है। चिदानंदरूप शिव होना मनुष्यता की पराकाष्ठा है। इस पराकाष्ठा को प्राप्त करना, हर जीवात्मा का लक्ष्य होना चाहिए।

दरख़्त रानी

पुराने ज़माने में किसी गाँव में एक बूढ़ा आदमी रहता था। उसकी शादी को 20 साल हो गए थे पर वह औलाद की दौलत से महरूम था। भगवान की कृपा से बूढ़े की औरत का पाँव भारी था। नई-नई चीज़ें खाने को उसका जी चाहता था। बूढ़ा भी अपनी बिसात के मुताबिक़ उसे खाने की चीज़ें ला कर देता था।

एक रोज़ बूढ़े की बीवी को खट्टे-मीठे बेर खाने की बहुत ख़्वाहिश हुई। गरमी के मौसम में बेर कहाँ मिलते हैं। फिर भी बूढ़ा बेरों की तलाश में जंगलों में भटकता रहा। एक दिन जंगलों में इधर-उधर बेर तलाश करते हुए वह एक तालाब के किनारे पहुँचा तो एक बेर की झाड़ी नज़र आई। बूढ़े को बहुत खुशी हुई। वह अपने दोनों हाथों से बेर इकट्ठे करने लगा।

अभी झोली भर बेर ही तोड़े थे कि एक आदमख़ोर मगरमच्छ ने अपना बड़ा सा मुँह पानी से ऊपर निकाला और ज़ोर से साँस खींची। उसके साँस लेने से एक ज़ोरदार आँधी चली और बूढ़ा कमज़ोरी की वजह से अपने को न संभाल पाया और तालाब में आ गिरा। बूढ़ा अपने को संभालते हुए किनारे तक पहुँचना ही चाहता था कि मगरमच्छ ने इसके पाँव ही पकड़ लिए। बूढ़ा उससे कहने लगा,''भाई खट्टे-मीठे बेरों की तलाश में मेरे पाँव घिस गए और फिर जब बेर मिले तो मेरे रास्ते में तू रोड़ा बनता है।''

''तेरी यह मक्कारी मुझपर कोई असर नहीं करेगी। बहुत दिनों से इंसान का गोश्त खाने को नहीं मिला। तेरी करारी हड्डियों को चबाने में मुझे बहुत मज़ा आएगा। आज मैं तुझे खाऊँगा।'' मगरमच्छ ने लार टपकाते हुए कहा। ''क्यों। मुझे तू क्यों खाएगा'' ''इसलिए क्योंकि तूने मुझसे बग़ैर इजाज़त लिए मेरे बेर लिए हैं।''

''भाई मैं यह बेर बहुत मजबूरी में ले रहा हूँ। मेरी बीवी की हालत कुछ ऐसी है। मैं और मेरी बीवी अब और ज़्यादा इंतज़ार नहीं कर सकते।'' बूढ़े की बात सुनकर मगरमच्छ समझ गया। ''ओह'' अगर यह बात है तो मैं तुझे नहीं खाऊँगा। तू अपनी राह ले लेकिन मेरी एक शर्त है। ''क्या शर्त'' है। बूढ़े ने पूछा। ''अगर लड़का होगा तो तेरा और लड़की हुई तो मेरी।'' ''मंज़ूर'' कहकर वह बेरों की झोली संभालते हुए चल दिया। वह अपने दिल में सोचने लगा कि मगरमच्छ उसे फिर कहाँ मिलेगा और अगर उसके यहाँ लड़का पैदा हुआ तो फिर तो परेशानी की कोई बात ही नहीं।

बूढ़ा अपनी बीवी की आव भगत में कोई कमी नहीं करता था। दिन पर लगा कर उड़ते रहे और एक दिन बूढ़े के घर एक खूबसूरत और बहुत तंदरूस्त लड़की पैदा हुई। बच्ची को देखकर उसे मगरमच्छ की बात याद आई तो वह काँप उठा। लड़की का रंग गुलाब के फूल की तरह था। उसकी आँखे हीरों की तरह चमकदार थीं। वह परियों की तरह हसीन और मासूम थी। ऐसी मन्नतों और मुरादों की लड़की मगरमच्छ के पेट में जाए यह सोचकर बूढ़ा दुख से काँपने लगा। उसने सोचा कि अब वह कभी तालाब के किनारे नहीं जाएगा।

बारिश का मौसम आया और नदी में बाढ़ आ गई। मगरमच्छ पानी में बह कर तालाब से निकल कर खेत में आ गया। अब उसे आसानी से शिकार मिलने लगा। एक दिन बूढ़ा खेत से सब्ज़ी तोड़कर ला रहा था तो रास्ते में मगरमच्छ ने उसे रोककर सवाल किया।

''क्यों बे बुडढ़े! मुझसे छुपता क्यों है? तू मुझसे छुप कर कहाँ भागेगा। सीधी तरह बता तेरे यहाँ लड़की हुई या लड़का।'' ''लड़की हुई है।'' बूढ़े ने सहमी हुई आवाज़ में कहा। ''तो फिर वह मेरी है। मेरी अमानत को अब तक तूने अपने पास क्यों रखा है। क्या तू अमानत में ख़्यानत करना चाहता है।'' ''इतनी छोटी बच्ची को तुझे कैसे दे दूँ?'' बूढ़े ने कहा। ''चौदह साल पहले तूने मुझसे वादा किया था। क्या वह अब भी बच्ची है। तू बाप की नज़र से देखता है वह अगर बूढ़ी भी हो जाएगी तब भी वह बच्ची ही रहेगी। तू मुझे अब और बेवकूफ़ नहीं बना सकता। मैं तुझे चैन से रहने नहीं दूंगा। देख! अगर तूने लड़की को कल ही लाकर मुझे नहीं दिया तो मैं तुम तीनों को एक-एक कर ख़त्म कर दूँगा।'' मगरमच्छ ने कहा।

''वह मेरी बेटी है। अपना खून तुझे मैं कैसे दे दूँ? लोग क्या कहेंगे?'' बूढ़े ने सवाल किया। ''लोग क्या कहेंगे वह मैं नहीं जानता। तू क्या कहता है? वादा ख़िलाफ़ी करना चाहता है?'' मगरमच्छ ने गुस्से से चिल्लाकर कहा। ''नहीं नहीं! यह बात नहीं है। मै चाहता हूँ कि मेरी बेटी को इस बात का पता न चले। और।।।'' बूढ़ा कहते-कहते रुक गया। ''तू क्या चाहता है बोल।'' मगरमच्छ ने कहा।

''मेरी लड़की को कमल का फूल बहुत पसंद है। तू अपनी पीठ पर एक कमल का फूल रखकर तालाब के अंदर पानी के नीचे बैठे रहना। जब लड़की खुशी से इसे लेने जाएगी तो इसे तू ले जाना।'' मगरमच्छ को यह तरकीब पसंद आई। दूसरे दिन जब बूढ़े ने अपनी बीवी को बताया तो लड़की की माँ परेशान हो गई। वह अपने आपको कोस रही थी कि क्यों उसने बेर खाने की ख़्वाहिश की। आज उसकी बेटी मौत के मुँह में जा रही थी। भगवान उसे मौत क्यों नहीं देता। उसका दिल रो रहा था लेकिन वह लड़की से कह रही थी, ''बेटी! कितने दिन हुए नानी के घर तू नहीं गई। वह तुझे याद कर रही है। तू आज अपने बाप के साथ नानी के घर जाएगी। दो दिन रहकर वापस आ जाना।'' बूढ़े की बेटी मगरमच्छ को सामने देखकर घबरा गई और चीख़ने लगी लेकिन उसकी चीख़ जंगल में गूंज कर रह गई पर उसका बाप वापस नहीं आया। मगरमच्छ उसको अपने बड़े-बड़े पंजों में पकड़ कर तालाब के दूसरे किनारे एक गुफा के अंदर ले गया और वहाँ लड़की को छोड़कर वापस आ गयाननिहाल जाने की बात सुनकर बेटी को खुशी हुई। उसके लिए मामू का घर जन्नत से कुछ कम नहीं था। वहाँ की हर चीज़ उसे पसंद थी। वहाँ का चाँद खूबसूरत था। वहाँ के फूल खूबसूरत और फल रसीले थे। नानी के घर जाने की ख़बर सुनकर वह खुशी से नए कपड़े पहन कर तैयार हो गई थी। बूढ़ा उसे लेकर जंगल और नाले पार करता हुआ उस तालाब के किनारे पहुँचा और बेटी को तालाब के किनारे बैठा कर बोला, ''बेटी तू यहाँ बैठी रह। मैं अभी आया।'' बूढ़ा चला गया लेकिन वापस नहीं आया।

उधर बेटी को एक बेहद खूबसूरत कमल का फूल नज़र आया। वह सोचने लगी कि इतना खूबसूरत कमल तालाब के बिल्कुल किनारे खिला है लेकिन उसे अभी तक किसी ने हाथ नहीं लगाया! हो सकता है किसी की नज़र उस पर न पड़ी हो। बूढ़े की बेटी धीरे से पानी के अंदर गई। कमल के फूल की तरफ हाथ बढ़ाते ही कमल थोड़ा आगे खिसक गया। लड़की डर कर अपने बाप को पुकारने लगी। घुटने पानी हुआ है बाबा कमल खिसकता जाता है वह फिर आगे बढ़ने लगी। कमल फिर से खिसक गया। लड़की चीख़ कर अपने बाप को पुकारने लगी। छाती पानी हुआ है बाबा कमल खिसकता जाता है बाप वहाँ होता तो जवाब देता। उसे डर लग रहा था वह सोच रही थी कि वापस चली जाए। उसी वक़्त बड़ी-बड़ी लाल आँखों वाला मगरमच्छ मुँह खोले पानी की सतह पर दिखाई दिया। बूढ़े की बेटी मगरमच्छ को सामने देखकर घबरा गई और चीख़ने लगी लेकिन उसकी चीख़ जंगल में गूंज कर रह गई पर उसका बाप वापस नहीं आया। मगरमच्छ उसको अपने बड़े-बड़े पंजों में पकड़ कर तालाब के दूसरे किनारे एक गुफा के अंदर ले गया और वहाँ लड़की को छोड़कर वापस आ गया।

लड़की की मासूमियत और खूबसूरती को देखकर उसे खाने का इरादा इस वक़्त उसने छोड़ दिया। राहगीर जो तालाब में नहाने या पानी पीने आते थे, उन्हें वह पेट भरकर खाता और उस आदमी के पास खाने का जो सामान होता उसे लाकर इस लड़की को देता। लड़की इस गुफा में पड़ी रहती। पर मगरमच्छ के डर से वह कुछ बोलती नहीं थी।

इस तरह दिन गुज़रते गए। चारों तरफ इस तालाब का मगरमच्छ आदमखोर के नाम से मशहूर हो गया था। डर के मारे कोई राहगीर इस तालाब की तरफ़ नहीं आता था। मगरमच्छ भूख से बेक़रार होने लगा। उसने तालाब की बड़ी-बड़ी मच्छलियों को खाकर ख़त्म कर दिया। अब वह भूख के मारे मरने लगा। जंगल की गाय-बकरी भेड़ भी वह भूख की शिद्दत में खा गया। अब उसके डर से वहाँ कोई जानवर भी पानी पीने नहीं आता था। जब उसे ज़ोर की भूख सताने लगी तो वह बूढ़े की बेटी के क़रीब आकर उसे अपनी लाल और ललचाई आँखों से घूरने लगा। बूढ़े की बेटी समझ गई कि अब उसकी बारी थी। लेकिन मगरमच्छ ने उसे उस दिन नहीं खाया। सोचने लगा कि अब उसके दाँतों में धार नहीं थी। उन्हें लुहार से तेज़ कराने के बाद उस लड़की को खाएगा। यह सोचकर वह लुहार के पास चला गया।

बोध कथा

हाथी और चतुर खरगोश

एक वन में 'चतुर्दन्त' नाम का महाकाय हाथी रहता था। वह अपने हाथीदल का मुखिया था। बरसों तक सूखा पड़ने के कारण वहा के सब झील, तलैया, ताल सूख गये, और वृक्ष मुरझा गए। सब हाथियों ने मिलकर अपने गजराज चतुर्दन्त को कहा कि हमारे बच्चे भूख-प्यास से मर गए, जो शेष हैं मरने वाले हैं। इसलिये जल्दी ही किसी बड़े तालाब की खोज की जाय।

बहुत देर सोचने के बाद चतुर्दन्त ने कहा----मुझे एक तालाब याद आया है। वह पातालगडगा के जल से सदा भरा रहता है। चलो, वहीं चलें। पाँच रात की लम्बी यात्रा के बाद सब हाथी वहाँ पहुँचे। तालाब में पानी था। दिन भर पानी में खेलने के बाद हाथियों का दल शाम को बाहर निकला। तालाब के चारों ओर खरगोशों के अनगिनत बिल थे। उन बिलों से जमीन पोली हो गई थी। हाथियों के पैरों से वे सब बिल टूट-फूट गए। बहुत से खरगोश भी हाथियों के पैरों से कुचले गये। किसी की गर्दन टूट गई, किसी का पैर टूट गया। बहुत से मर भी गये।

हाथियों के वापस चले जाने के बाद उन बिलों में रहने वाले क्षत-विक्षत, लहू-लुहान खरगोशों ने मिल कर एक बैठक की। उस में स्वर्गवासी खरगोशों की स्मृति में दुःख प्रगट किया गया तथा भविष्य के संकट का उपाय सोचा गया। उन्होंने सोचा----आस-पास अन्यत्र कहीं जल न होने के कारण ये हाथी अब हर रोज इसी तालाब में आया करेंगे और उनके बिलों को अपने पैरों से रौंदा करेंगे। इस प्रकार दो चार दिनों में ही सब खरगोशों का वंशनाश हो जायगा। हाथी का स्पर्श ही इतना भयङ्कर है जितना साँप का सूँघना, राजा का हँसना और मानिनी का मान। इस संकट से बचाने का उपाय सोचते-सोचते एक ने सुझाव रखा----हमें अब इस स्थान को छोड़ कर अन्य देश में चले जाना चाहिए। यह परित्याग ही सर्वश्रेष्ठ नीति है। एक का परित्याग परिवार के लिये, परिवार का गाँव के लिये, गाँव का शहर के लिये और सम्पूर्ण पृथ्वी का परित्याग अपनी रक्षा के लिए करना पड़े तो भी कर देना चाहिये। किन्तु, दूसरे खरगोशों ने कहा----हम तो अपने पिता-पितामह की भूमि को न छोड़ेंगे।

कुछ ने उपाय सुझाया कि खरगोशों की ओर से एक चतुर दूत हाथियों के दलपति के पास भेजा जाय। वह उससे यह कहे कि चन्द्रमा में जो खरगोश बैठा है उसने हाथियों को इस तालाब में आने से मना किया है। संभव है चन्द्रमास्थित खरगोश की बात को वह मान जाय। बहुत विचार के बाद लम्बकर्ण नाम के खरगोश को दूत बना कर हाथियों के पास भेजा गया। लम्बकर्ण भी तालाब के रास्ते में एक ऊँचे टीले पर बैठ गया; और जब हाथियों का झुण्ड वहाँ आया तो वह बोला----यह तालाब चाँद का अपना तालाब है। यह मत आया करो। गजराज----तू कौन है ? लम्बकर्ण----मैं चाँद में रहने वाला खरगोश हूँ। भगवान चन्द्र ने मुझे तुम्हारे पास यह कहने के लिये भेजा है कि इस तालाब में तुम मत आया करो। गजराज ने कहा----जिस भगवान चन्द्र का तुम सन्देश लाए हो वह इस समय कहाँ है ? लम्बकर्ण---इस समय वह तालाब में हैं। कल तुम ने खरगोशों के बिलों का नाश कर दिया था। आज वे खरगोशों की विनति सुनकर यहाँ आये हैं। उन्हीं ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है। गजराज----ऐसा ही है तो मुझे उनके दर्शन करा दो। मैं उन्हें प्रणाम करके वापस चला जाऊँगा। लम्बकर्ण अकेले गजराज को लेकर तालाब के किनारे पर ले गया। तालाब में चाँद की छाया पड़ रही थी। गजराज ने उसे ही चाँद समझ कर प्रणाम किया और लौट पड़ा। उस दिन के बाद कभी हाथियों का दल तालाब के किनारे नहीं आया।

वीर गाथा

कैप्टन अक्षत उपाध्याय : समय पर सही फैसला लेकर बचाई सैकड़ों लोगों की जान

कैप्टन अक्षत उपाध्याय भारतीय सेना की जाट रेजिमेंट के ऐसे बहादुर योद्धा हैं, जिन्होंने अपनी जान की बाज़ी लगाकर अन्य लोगों की जान बचाई थी। माता सुषमा उपाध्याय और पिता मनोज कुमार उपाध्याय के बेटे अक्षत ने अनेक बार वीरता और पराक्रम का प्रदर्शन किया है। 27-28 मई, 2023 की रात को कैप्टन अक्षत और उनकी पार्टी ने उत्तर-पूर्व में एक अस्थायी संचालन बेस स्थापित किया था। उन्होंने रात करीब 3 बजे गांव में एक घर से आग की लपटें निकलते हुए देखीं। यही नहीं, गांव की ओर एक उग्र भीड़ आती दिखाई दी।

उस समय अक्षत ने अपनी पार्टी को सतर्क कर दिया। साथ ही, बेहतर अवलोकन के लिए इलूमनैशन राउंड फायर करने का आदेश दिया। जैसे ही फायर किया गया, उनकी पार्टी की ओर भारी गोलीबारी की गई।

इस बीच कैप्टन अक्षत ने रणनीतिक कदम उठाया। वे अपनी टीम को उग्र भीड़ के पीछे ले गए। उन्होंने भीड़ को चेतावनी दी कि वह घरों को न जलाए। इसके बावजूद दंगाइयों ने उन पर गोलीबारी की। कैप्टन अक्षत ने जवाबी कार्रवाई की और चार उग्रवादी वहीं ढेर हो गए। इसके अलावा पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई से असामाजिक तत्त्वों में भगदड़ मच गई और 200 ग्रामीणों का जीवन सुरक्षित हुआ।

कैप्टन अक्षत उपाध्याय ने समय पर सही फैसला लेकर ग्रामीणों और अपने जवानों की जान बचाई। उन्हें असाधारण साहस, अद्वितीय सामरिक कौशल और उच्च स्तरीय वीरता के लिए 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रदर्शन

दक्षिण-पश्चिम चीन के गुइझोऊ प्रांत के गुईआन न्यू एरिया में 2025 चीन-आसियान शिक्षा सहयोग सप्ताह के तहत अंतर्राष्ट्रीय संस्कृति और कला आदान-प्रदान के लिए एक प्रदर्शन के दौरान कलाकार।

'कंप्यूटर और एआई की पढ़ाई से मानवता नहीं आ सकती'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति मनोज मिश्र ने शनिवार को यहां कहा कि कंप्यूटर, एआई और प्रौद्योगिकी की पढ़ाई से विद्यार्थियों में मानवता नहीं आ सकती। उन्होंने कहा, हमें बेहतरीन इंसान बनाने के लिए कला, सामाजिक विज्ञान और साहित्य के शिक्षण पर भी जोर देना होगा।

न्यायमूर्ति मिश्र ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में चार विशिष्ट पूर्व छात्र और वर्तमान में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के सम्मान समारोह में कहा, विश्वविद्यालय में सभी विषयों को समझकर ही विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास होता है। इस विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान मुझे जो सीख मिली, वह पूरे जीवन काम आई है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यार्थी की सफलता में शिक्षक के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा, विश्वविद्यालय में शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच बने संबंध ही विद्यार्थियों को सफल बनाते हैं।

उन्होंने कहा, विद्यार्थी, शिक्षकों की डांट से ना डरें क्योंकि शिक्षकों की डांट भी जीवन का सबसे महत्वपूर्ण पाठ पढ़ाती है। विद्यार्थी विश्वविद्यालय में अच्छे मित्र जरूर बनाएं क्योंकि विद्यार्थी जीवन की दोस्ती जीवनभर साथ निभाती है। आपकी गलतियों को बताने वाले मित्र से दूरी ना बनाएं। आपकी कमियां बताने वाला ही आपका वास्तविक शुभचिंतक है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने विधि के विद्यार्थियों को सलाह दी कि कानून केवल किताबों में नहीं बल्कि आपके जीवन में है। उन्होंने कहा, समाज को समझकर ही कानून को सही तरीके से समझा जा सकता है। कानून के क्षेत्र में शार्टकट से मिली सफलता ज्यादा लंबी नहीं टिकती।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने कार्यक्रम में कहा कि देश में विविधता में एकता के लिए दूसरे को समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि त्वरित निर्णय लेने के बजाय दूसरे के प्रति विनम्र भाव रखते हुए सहनशील बनने की जरूरत है क्योंकि सहिष्णुता ही भारत की नींव है।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने चिंता जताई कि वर्तमान में विद्यार्थियों के अंदर से बाहर की दुनिया खो गई है। उन्होंने कहा कि दूसरे विश्वविद्यालयों और समाज में हो रहे घटनाक्रमों से आज के विद्यार्थी स्वयं को अलग कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने कहा कि विद्यार्थियों को समाज में हो रहे घटनाक्रम पर भी नजर रखनी चाहिए।

न्यायमूर्ति पंकज मित्तल ने विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान के अनुभवों को याद करते हुए कहा, कैंपस का माहौल और यहां होने वाली चर्चाओं से मेरा जुड़ाव कला और साहित्य से हुआ। छात्रावासों में कविताएं लिखने और समझने का मौका मिला। उन्होंने अपने शिक्षक डॉ. बीबी सक्सेना के साथ बिताएं लम्हों को याद किया।

न्यायमूर्ति पंकज मित्तल ने कहा, मेरी जड़े विश्वविद्यालय और यहां के बरगद के पेड़ से जुड़ी हैं। गांधी पीस फाउंडेशन के माध्यम से गांधी को समझने का मौका मिला जो आज भी हमें प्रेरणा देता रहता है।

विश्वविद्यालय के ईश्वर टोपा भवन सभागार में शनिवार को आयोजित विशिष्ट पूर्व छात्र सम्मान समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव ने की।

'यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद एलुमनाई एसोसिएशन' की ओर से इन न्यायाधीशों को सम्मानित किया गया।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच जारी संघर्ष से हजारों लोगों को होना पड़ा विस्थापित

सुरिन (थाईलैंड)एपी। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर शनिवार को लगातार तीसरे दिन संघर्ष जारी रहा, जिसमें अब तक कुल 33 लोग मारे जा चुके हैं और 168,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर फिर से हमले करने का आरोप लगाया है। दोनों पर युद्ध विराम के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है।

कई सीमावर्ती गांवों के पास गोलीबारी की खबरें आई है, जिससे लड़ाई और बढ़ गई है। बृहस्पतिवार को सीमा पर एक बारूदी सुरंग में विस्फोट होने सेपांच थाई सैनिकों के घायल होने के बाद संघर्ष फिर से भड़क गया। कंबोडियाई और थाई अधिकारियों ने जवाबी कार्रवाई करने का दावा किया है।

दोनों देशों ने अपने राजदूतों को वापस बुला लिया है। थाईलैंड ने कंबोडिया से लगी अपनी उत्तर-पूर्वी सीमा को बंद कर दिया है।

कंबोडिया के अधिकारियों ने शनिवार को 12 और लोगों की मौत होने की सूचना दी, जिससे देश में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 13 हो गई।

दूसरी ओर थाईलैंड के अधिकारियों ने कहा कि एक सैनिक की मौत के बाद मृतकों की संख्या 20 हो गई, जिनमें अधिकतर आम लोग हैं।

क्षेत्रीय समूह दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) पर अपने दोनों सदस्य देशों के बीच तनाव कम करने का दबाव बढ़ रहा है। शुक्रवार को एक आपात बैठक के दौरान, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने तनाव कम करने का आह्वान किया और आसियान से शांतिपूर्ण समाधान के लिए मध्यस्थता कराने की अपील की।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच 800 किलोमीटर लंबी सीमा दशकों से विवादित रही है, लेकिन पिछले टकराव सीमित और संक्षिप्त रहे हैं। मौजूदा तनाव मई में तब शुरू हुआ जब एक टकराव में एक कंबोडियाई सैनिक की मौत हो गई। इससे कूटनीतिक तनाव पैदा हो गया और थाईलैंड की घरेलू राजनीति में उथल-पुथल मच गई।

कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि थाईलैंड ने शनिवार तड़के पुरसात प्रांत में कई जगहों पर पांच भारी तोपों से गोले दागे।

कंबोडिया ने इसे अकारण और पूर्वनियोजित आक्रामक कार्रवाई बताया। मंत्रालय की प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल माली सोचेता ने कहा कि कोह कांग प्रांत में तनाव बढ़ गया है, जहां कथित तौर पर चार थाई नौसैनिक जहाज तट के पास पहुंच गए हैं जबकि चार अन्य रास्ते में हैं। उन्होंने कहा कि नौसैनिकों तैनाती एकआक्रामक कार्रवाई है जिससे तनाव और बढ़ने का खतरा है।

पाकिस्तान को सबक सिखाने में भारतीय सेना को 22 मिनट भी नहीं लगे : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि पुलवामा हमले के बाद भारतीय सेना को पूरे पाकिस्तान को सबक सिखाने में 22 मिनट भी नहीं लगे और सेना ने पाकिस्तान स्थित आतंकी शिविरों को तहस-नहस करके उसे घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।

मुख्यमंत्री यहां करगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित 'करगिल विजय शहीद दिवस-2025' कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान और इसके आतंकियों ने पुलवामा में 22 निर्दोष यात्रियों की जान ले ली। इसके बाद भारतीय सेना को पूरे पाकिस्तान को सबक सिखाने में 22 मिनट भी नहीं लगे और सेना ने पाकिस्तान स्थित आतंकी शिविरों को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पुलवामा में दुस्साहस करने वालों को कीमत चुकाने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के साहस और पराक्रम को देखकर पाकिस्तान अमेरिका की शरण में पहुंचा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत एक मोर्चे पर कई देशों से लड़ रहा था, लेकिन इसके बावजूद भारतीय सेना के सामने पाकिस्तान की एक नहीं चली और अंत में पाकिस्तान को समर्पण के लिए मजबूर होना पड़ा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''कुछ लोग सत्ता में आने के बाद परिवारवाद के सहारे जातिवाद से सामाजिक ताने-बाने को छिन्न भिन्न करने का काम करते हैं। जब भी हम ऐसी प्रवृत्ति के लोगों के चंगुल में फंसते हैं, तो हमें बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। हमारे पास योद्धाओं, वैभव और बुद्धि की कमी नहीं है, लेकिन कुछ लोगों ने अपने हित के लिए देश को बांटने का काम किया। उन्होंने कहा, आज भी कुछ राजनीतिक दल बांटने का काम कर रहे हैं। उस दौरान भी विभाजन हमारी कमजोरी थी। फिर से हमें विभाजन से बचने की आवश्यकता है। हमें 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' को समर्थ और सशक्त बनाने के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि करगिल विजय दिवस का संदेश भी यही है। उन्होंने कहा कि जिन वीर सैनिकों ने अपना बलिदान दिया है, उनसे यही प्रेरणा मिलती है कि एक भारत श्रेष्ठ भारत के माध्यम से एक सशक्त और समर्थ देश की परिकल्पना को साकार करें।

अनुभवी कलाकारों की तुलना में इंफ्लुएंसर्स को ज्यादा मौके मिलते हैं : समृद्धि शुक्ला

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री समृद्धि शुक्ला इन दिनों लोकप्रिय टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अपने किरदार को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने डिजिटल क्रिएटर्स के बढ़ते प्रभाव के बारे में अपनी राय रखी। अभिनेत्री ने अकहा कि आज के मनोरंजन जगत में इंफ्लुएंसर्स को अनुभवी कलाकारों की तुलना में ज्यादा मौके मिलते हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस को बताया, इंफ्लुएंसर्स को मौके तो मिलते हैं, लेकिन वह इसे कितने अच्छे से उपयोग करते हैं, यह तो उनके काम से ही पता चलता है। अगर कोई इंफ्लुएंसर अभिनय में अच्छा है, तो ये अच्छी बात है लेकिन अगर आपका अभिनय उतना अच्छा नहीं है, तो शायद आपको फिर से सोचना चाहिए। यह एक बदलाव है जो मैं देख रही हूं। आज के दौर में दर्शक किस तरह के कंटेंट की ओर आकर्षित होते हैं, इस पर बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि टीवी पर हम ऐसा अभिनय करते हैं जिससे दर्शक अपने आपको जोड़ पाएं।

उन्होंने कहा, आजकल जो शो अच्छे चल रहे हैं, उनके किरदार काफी जाने पहचाने से लगते हैं। अगर ऐसी कहानी है जिसके किरदार उस पर परफेक्ट नहीं बैठ रहे हैं, भले ही वे मुख्य किरदार ही क्यों न हों, उनमें खामियां दिखने ही लगती हैं। समृद्धि ने यह भी बताया कि वह एक अभिनेत्री के रूप में नए-नए किरदारों में खुद को ढलते देखना चाहती हैं। वो हर जॉनर में खुद को साबित करना चाहती हैं। उन्हें थ्रिलर फिल्में देखना पसंद है, लेकिन रोमांटिक कॉमेडी उनकी पसंद है। फिर भी, वह भविष्य में रोम-कॉम किरदार निभाना चाहेंगी।

उन्होंने कहा, मुझे थ्रिलर बहुत पसंद है और मैं ओटीटी पर थ्रिलर करना चाहूंगी। लेकिन मैं रोम-कॉम भी करना चाहूंगी, क्योंकि मुझे कॉमेडी करना बहुत अच्छा लगता है। समृद्धि शुक्ला वर्तमान में लोकप्रिय टीवी शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अभिरा पोद्दार की भूमिका निभा रही हैं। टीवी शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' लंबे समय से चलता आ रहा है। इस सीरियल का निर्माण राजन शाही के प्रोडक्शन हाउस 'डायरेक्टर कुट प्रोडक्शंस' के तहत हो रहा है। इस सीरियल में रोहित पुरोहित और समृद्धि शुक्ला मुख्य भूमिका में हैं।

सैफ पर हमलावर के खिलाफ 'पुख्ता सबूत' उपलब्ध, पुलिस ने जमानत याचिका का किया विरोध

मुंबई/भाषा

पुलिस ने बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर इस वर्ष जनवरी में उनके घर पर चाकू से हमला कर उन्हें घायल करने के आरोप में गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिक की जमानत याचिका का विरोध करते हुए मुंबई की एक अदालत से कहा कि आरोपी के खिलाफ ''पुख्ता सबूत'' हैं। फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की रिपोर्ट का हवाला देते हुए पुलिस ने सत्र अदालत के समक्ष अपने पहले के दावे को दोहराया कि हमले के दौरान अभिनेता की रीढ़ के पास लगे चाकू के टुकड़े तथा अपराध स्थल पर मिले चाकू के एक टुकड़े का मिलान आरोपी शरीफ-उल-इस्लाम से बरामद हथियार से हो गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को अदालत में आरोपी की याचिका के लिखित जवाब में कहा कि ये तीन टुकड़े उसी चाकू के थे जिसका इस्तेमाल अभिनेता पर हमला करने के लिए किया गया था।

खान पर 16 जनवरी को बांद्रा स्थित उनके 12वीं मंजिल स्थित अपार्टमेंट में एक चोर ने चोरी के प्रयास के दौरान चाकू से कई वार किए थे। अभिनेता (54 वर्षीय) ने हमले के दौरान अपनी रीढ़ की हड्डी के पास फंसे चाकू के टुकड़े को निकालने के लिए लीलावती अस्पताल में सर्जरी करवाई। उन्हें पांच दिन बाद निजी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

खान पर चाकू से हमला करने के आरोप में बांग्लादेशी नागरिक इस्लाम को दो दिन बाद गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अपने जवाब में बताया कि आरोपी एक बांग्लादेशी नागरिक है जो भारत में अवैध रूप से रह रहा है। अगर उसे ज़मानत मिल जाती है, तो इस बात की संभावना है कि वह भारत से भाग जाए और मुकदमे के दौरान अदालत में पेश न हो। पुलिस ने तर्क दिया कि आरोपी द्वारा किया गया अपराध बेहद गंभीर प्रकृति का है और उसके खिलाफ पुख्ता सबूत मौजूद हैं। वकील विपुल दुशिंग के माध्यम से दायर अपनी जमानत याचिका में आरोपी ने दावा किया कि वह निर्दोष है और उसका कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

उर्वशी रौतेला ने जेद्दा में दी परफॉर्मेंस, कहा- यह बहुत गर्व और सम्मान की बात

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने सऊदी अरब के जेद्दा में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया। इस परफॉर्मेंस के लिए उर्वशी को 7 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि का भुगतान करना पड़ा। उर्वशी ने इस अनुभव के बारे में उत्साहित होकर कहा, मुझे बहुत गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है कि मैंने सऊदी अरब के जेद्दा में पहली बार बतौर भारतीय महिला कलाकार परफॉर्म किया है, यह पल सिर्फ मेरा नहीं, बल्कि हर उस भारतीय महिला का है जो सीमाओं से परे सपने देखने की हिम्मत रखती है। उन्होंने आगे कहा, इतने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना, जहां इतनी समृद्ध संस्कृति और इतिहास है, मेरे लिए यह गर्व की बात है। यह सिर्फ एक परफॉर्मेंस नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक सेतु है, महिला सशक्तीकरण का संदेश है और कला के माध्यम से वैश्विक एकता को प्रदर्शित करता है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में, उर्वशी अपने बेबाक अंदाज में स्टेज दमदार परफॉर्मेंस करती नजर आ रही हैं। इस दौरान दर्शकों ने उनका खूब उत्साहवर्धन किया। काले और सिल्वर रंग के आउटफिट्स के साथ कॉम्प्लिमेंट्री मेकअप और बड़े-बड़े सिल्वर इयररिंग्स में उर्वशी हमेशा की तरह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। अभिनेत्री ने अपनी परफॉर्मेंस का एक वीडियो शेयर किया था। जिसमें उन्होंने लिखा, मरहबा जेद्दा, सऊदी अरब की पवित्र भूमि, मैं आपसे प्यार करती हूं। आप सभी का शाही अंदाज में मेरे और मेरे परिवार का स्वागत करने के लिए बहुत शुक्रिया।

तीज

नई दिल्ली के पीतमपुरा स्थित दिल्ली हाट में तीन दिवसीय तीज महोत्सव 2025 के पहले दिन लोग विभिन्न गतिविधियों का आनंद लेते हुए।

कारगिल विजय दिवस विशेष

बॉलीवुड की वो अभिनेत्रियां जिन्होंने वर्दी पहनकर राष्ट्र को किया सलाम

मुंबई/एजेन्सी

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर, जब पूरा देश अपने वीर सैनिकों की बहादुरी और बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करता है, ऐसे में उन बॉलीवुड अभिनेत्रियों को याद करना समीचीन होगा जिन्होंने पर्दे पर वर्दी पहनकर नारी शक्ति, कर्तव्य और देशभक्ति का बेजोड़ उदाहरण पेश किया। जहाँ ग्लैमर और चकाचौंध से भरी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में आमतौर पर नायिकाओं को पारंपरिक भूमिकाओं में देखा जाता है, वहीं कुछ चुनिंदा अदाकाराओं ने वर्दी पहनकर नायिका से सिनेमाई योद्धा बनने तक का सफर तय किया। आइए नजर डालते हैं उन अभिनेत्रियों पर जिन्होंने बड़े पर्दे पर भारतीय सशस्त्र बलों का गौरव बढ़ाया।

दीपिका पादुकोण: फाइटर फिल्म में स्क्वाड्रन लीडर मीनल राठौड़ की भूमिका निभाते हुए दीपिका पादुकोण ने अपने अभिनय में गंभीरता और शारीरिक दृढ़ता का बेहतरीन प्रदर्शन किया। वायुसेना की वर्दी में उनकी उपस्थिति न सिर्फ प्रभावशाली थी, बल्कि एक्शन दृश्यों में उनकी तैयारी और समर्पण भी साफ झलकता था।

कियारा आडवाणी: हाल ही में रिलीज़ हुए वॉर 2 के ट्रेलर में कियारा आडवाणी ने धमाकेदार एक्शन सीन्स के ज़रिए स्क्रीन पर जबरदस्त प्रभाव छोड़ा है। पंच, चेज़ और स्टंट्स के बीच उनकी आंखों में दिखती गंभीरता और संकल्प देखते ही बनते हैं। लेकिन जो सबसे ज़्यादा दिल जीतता है, वो है वर्दी में उनका आत्मविश्वास, गरिमा और अनुशासन।

प्रियंका चोपड़ा: जय गंगाजल में पुलिस अधीक्षक अभा माथुर की भूमिका निभाते हुए प्रियंका चोपड़ा ने अपने अभिनय कौशल का लोहा मनवाया। भ्रष्ट व्यवस्था में ईमानदारी की मिसाल बनीं उनकी भूमिका में दमदार संवाद, दृढ़ नारी शक्ति और प्रभावशाली एक्शन का शानदार मेल देखने को मिला।

जान्हवी कपूर: गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल फिल्म में जान्हवी कपूर ने फ्लाइट लेफ्टिनेंट गुंजन सक्सेना की भूमिका में दमदार और भावनात्मक अभिनय किया। कारगिल युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म महिलाओं के साहस और संघर्ष की मिसाल थी। जान्हवी ने अपने किरदार की आंतरिक लड़ाई, जज़्बा और दृढ़ निश्चय को बेहद संजीदगी से दर्शाया।

कंगना रनौत: तेजस फिल्म में भारतीय वायुसेना की पायलट की भूमिका में कंगना रनौत ने एक मिशन पर निकली योद्धा का किरदार निभाया। फिल्म एक्शन और थ्रिल से भरपूर थी, लेकिन कंगना ने अपने अभिनय में जो गंभीरता, आत्मबलिदान और संकल्प दिखाया, वह काबिल-ए-तारीफ था।

यामी गौतम: उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक में खुफिया अधिकारी पल्लवी शर्मा की भूमिका में यामी गौतम ने पर्दे के पीछे काम करने वाले नायकों का प्रतिनिधित्व किया। सैन्य अभियान की रणनीति और योजना में उनकी भूमिका अहम थी। वर्दी में उनका संयमित, चतुर और गंभीर अभिनय दर्शकों को प्रभावित करता है।

डायना पेंटी: परमाणु: द स्टोरी ऑफ पोखरण में भले ही मुख्य ध्यान भारत के गुप्त परमाणु मिशन पर था, लेकिन डायना पेंटी ने सेना की अधिकारी बनकर अपने किरदार में गरिमा और मजबूती का परिचय दिया। पुरुष प्रधान टीम के बीच उनकी भूमिका ने संतुलन और आत्मविश्वास का संदेश दिया।

इन सभी अभिनेत्रियों ने अपने-अपने किरदारों से यह साबित कर दिया कि देशभक्ति केवल जंग के मैदान में नहीं, बल्कि परदे पर निभाए गए सच्चे और प्रेरणादायक किरदारों से भी जताई जा सकती है।

सुष्मिता सेन की युवाओं से अपील- 'सपने देखें पर हिम्मत भी जरूरी'

मुंबई/एजेन्सी

पूर्व मिस यूनिवर्स और अभिनेत्री सुष्मिता सेन ने इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस (आईआईएमयूएन) में युवाओं को संबोधित करने के लिए अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। सुष्मिता सेन ने इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह ब्लैक ड्रेस में पोज देती नजर आईं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, निमंत्रण मिलना सम्मान है, प्रेरित करना जिम्मेदारी। आईआईएमयूएन आपके जोश, सवालों और भविष्य के लिए अटूट आशा के लिए धन्यवाद। उन लोगों के बीच होना खुशी की बात थी, जो सिर्फ सपने नहीं देखते, बल्कि हिम्मत भी दिखाते हैं। अडिग रहें, विनम्र रहें। सुष्मिता ने छात्रों से कहा, लोग आपको खूबसूरत कहेंगे, लेकिन यह सिर्फ शारीरिक सुंदरता नहीं है। अगर कोई चीज आपको आत्मविश्वास देती है, तो उसे अपनाएं। यह आपका जीवन और आपकी पहचान है। खुद को स्वीकार करें, ताकि आप दूसरों का आलोचनात्मक नजरिए से मूल्यांकन न करें।

सुष्मिता सेन 15 जुलाई को बांद्रा में आयोजित आईआईएमयूएन की 10वीं 'रोल मॉडल सीरीज' में हिस्सा लिया था। इस कार्यक्रम का संचालन संगठन के संस्थापक ऋषभ शाह ने किया। इवेंट में सुष्मिता सेन के साथ अभिनेत्री विद्या बालन और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भी शामिल हुईं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो सुष्मिता की वेब सीरीज आर्या काफी हिट रही है। क्राइम-थ्रिलर वेब सीरीज 'आर्या 3' में भी उनका दमदार अंदाज दिखा था। यह सीरीज डच ड्रामा 'पेनोजा' पर आधारित है, जिसमें सुष्मिता ने आर्या नाम की एक महिला का किरदार निभाया, जो अपने पति की हत्या का बदला लेने के लिए माफिया गैंग में शामिल होती है और अपने परिवार की रक्षा करती है। सीरीज पिछले साल फरवरी में रिलीज हुई थी। 'आर्या' को इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स 2021 के लिए सर्वश्रेष्ठ ड्रामा सीरीज श्रेणी में नॉमिनेट किया गया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | रविवार | 27-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

इंसान का जीवन एक तिजोरी के समान है। इसमें सद्गुण रूपी आभूषण रखना चाहिए। दुर्गणों का कचरा भरने की मूर्खता हरगिज भी नहीं करनी चाहिए। कुटिलता और कृपणता ऐसे दुर्गुण हैं जो जीवन में सरलता और उदारता के गुण को प्रकट नहीं होने देता। जहाँ मायाचार का सेवन नहीं है वहाँ मधुरता और सरसता का वास है। सरल व्यक्ति ही लोकप्रिय और भगवान की कृपा का पात्र बनता है। कंजूस व्यक्ति उसे माना जाता है जिसके पास प्रचुर मात्रा में शक्ति और साधन है फिर भी उपयोग और उपभोग के मौके दाएं बाएं झांकता है व्यय नहीं करने के नए नए बहाने खोजता है और अपनी महानता को झूठे आदर्शों और सिद्धांतो के सहारे प्रकट करता है केवल संग्रह करने की नित नूतन योजना बनाता है।

दूसरों का हक मारकर जमाया धन दुर्गति ही लाता है : वीरेंद्रमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सैदापेट श्री एस एस जैन संघ के बजार रोड स्थित स्थानक में विराजित गुरुदेव श्री वीरेन्द्र मुनिजी म सा ने प्रवचन में अदतादान वीरमण व्रत के विषय में कहा कि चोरी करना पाप होता हैं, बिना पूछे किसी की वस्तु या किसी प्रकार की चीज लेना चोरी के समान ही होता हैं, चोरी करने वाले या चोर से चोरी की हुई वस्तु लेना भी पाप है, चोरी चकारी करने वाले महापाप के भोगी बनते हैं और जब कर्म उदय में आते हैं तो सब हिसाब किताब हो जाता है (चोरी का माल मोरी में चला जाता हैं) पड़ी हुई चीज़ या कोई वस्तु, किसी का धन मिलता है जहां तक जिसका हैं उसको लौटाने की कोशिश करनी चाहिए अगर मालिक का पता नहीं चले तो उस धन को या कोई भी कीमती वस्तु को सत कार्य में या दान धर्म में उपयोग कर लेना चाहिए। अधिक धन कमाने वाले को भी कर से बचने के लिए जो झूठ बोलकर या गलत तरीके से कमाया हुआ धन सांसारिक सुखों के लिए सेवन करते हो जैसे शादी विवाह के प्रसंगों पर, सालगिराह मनाना, विदेश यात्रा आदि में अंधाधुन धन का उपयोग करने वाले भी दोगुना पाप के भागी होते हैं, अदतादान व्रत पालन करे , उदाहरण देते हुए गुरुदेव ने कहा कि अगर आपने चोरी की हो या उस धन का सही उपयोग नहीं किया हो तो प्रायश्चित करे और आगे से इस प्रकार का धन को ज्यादा से ज्यादा सत कार्य में लगाए और सत कर्म करने भावना भाए। मंत्री राजेंद्र लुंकड़ ने तीन महापुरुषों की जन्म जयंती के कार्यक्रम की जानकारी दी।

दर्शनलाभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के कोयम्बटूर स्थानकवासी जैन संघ के तत्वावदान में चातर्मासार्थ विराजित डॉ. प्रतिभाश्री म. सा. के हासनूर प्रभागीय वन अधिकारी योगेश गर्ग ने दर्शन लाभ लिया। गर्ग ने सहज़ोडे गतिमान चातुर्मास एवं गुरुनी सा के आध्यात्मिक प्रतिपालन पर चर्चा की। देश भर के चातुर्मास पर विचार साझा किए। दर्शन के समय कोयंबतूर स्थानकवासी जैन संघ के कार्यकारिणी सदस्य राजेश कुमार गादिया, दिलीप बोहरा, चेन्नई के सुश्रावक धनपतराज मुनोत के साथ ही संघ के टाइगर खारीवाल, निलेश चोरड़िया सहित अनेक जन उपस्थित थे।

सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में बालाजी के दीवाने मंडल का मासिक 23वां सुन्दरकांड पाठ शनिवार को गणेश मंदिर रायपुरम् में हुआ। मंडल की अध्यक्ष शिलाशाह के अनुसार सुबह गणेश वंदना और बाबा की ज्योति के साथ संगीतमय सुन्दरकांड का पाठ मीठे मीठे भजनों के साथ शुरु हुआ। मंडल की भगवती दाधीच, पुनम जोशी, सरिता तुलस्यान, विनीता तुलस्यान, रुक्मिणी सहित अनेक महिलाओं ने सुन्दरकाण्ड पाठ का आनंद लिया।

शरीर का मोह भी कर्म बंधन का कारण बनता : कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में शनिवार को राष्ट्र संत कमल मुनि जी कमलेश ने सभा संबोधित करते कहा कि शराब आदि का नशा तो कुछ समय में उतर जाता है उसमें अनंत गुना ज्यादा खतरनाक घातक हैश्र मोह का नशा जो जन्म-जन्म तक 84 लाख योनि में आत्मा को परिभ्रमण करवाता है। मोह के चलते आत्मा का साक्षात्कार नहीं हो सकता, सम्यक ज्ञान की प्राप्ति भी नहीं हो सकती। जैन संत ने कहा कि मोह सभी दुखों की जननी, ब्लड प्रेशर हार्ट अटैक शुगर ब्रेन हेमरेज आदि बीमारियों का मोह के कारण ही शिकार बनता है। विश्व के सभी धर्म ने मोह विजेता बनने का संदेश दिया है, मोह विजेता विश्व विजेता से बढ़कर है।

मुनि कमलेश ने बताया कि सामाधि भाव आए बिना आत्मा में वीतराग भावों की धाराएं विकसित नहीं हो सकती। वह आत्मा कितनी कठोर साधना कर ले धार्मिकता में प्रवेश नहीं हो सकता। मोह आत्मा का सबसे खतरनाक शत्रु है जो आत्मा को दुर्गति का मेहमान बनता है, शरीर का मोह भी कर्म बंधन का कारण बनता। विदेह अवस्था में जीना ही धार्मिकता का पालन करना है। जितने जितने अंशों में मोह घटता जाएगा उतना उतना सच्ची सुख समृद्धि और शांति को प्राप्त करता जाएगा, परमात्मा की नजदीक होता जाएगा।

अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंचन रजिस्टर्ड नई दिल्ली मध्य प्रदेश शाखा महिला शाखा युवा शाखा 50 जनों का प्रतिनिधिमंडल राष्ट्र संत कमल मुनि जी की सेवा में उपस्थित हुआ मंदसौर जिला अध्यक्षअजीत जैन राष्ट्रीय पूर्व युवाध्यक्ष आशीष चौरड़िया, महावीर जैन, सुनील दक, अजीत खटोड़ महिला शाखा जिला अध्यक्ष अध्यक्ष रेणु खटोड़ नाम मार्गदर्शन प्राप्त किया। राष्ट्रव्यापी पांच सूत्रिय योजना बनाई गई जिसमें धर्म और समाज में दिखावा पर अंकुश लगे पाश्चात्य संस्कृति से युवा पीढ़ी को धर्म की ओर जोड़े पर्यावरण गो रक्षा नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 18 राज्यों में कार्यकर्ता दिवाकर मंच के अंतर्गत सभी धर्म जाति संप्रदाय शासन प्रशासन आईपीएस आईएएस, विधायक, सांसद, मंत्री, मंच से जुड़कर अपने आप को सौभाग्यशाली मान रहे हैं। सभा का संचालन महामंत्री डॉक्टर संजय पिंचा ने किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

समय को सही कार्यों में व्यतीत करें : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पुरषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. ने शनिवार को प्रवचन के दौरान बताया कि ज्ञानी भगवान कहते हैं कि जो समय बीत गया वह वापस नहीं आता। समय को पास नहीं करना चाहिए, बल्कि अच्छे कार्यों में लगाकर जीवन को सफल बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय तो वैसे भी बीत जाएगा, लेकिन अगर उसे अच्छे कामों में लगाओगे तो सफलता जरूर मिलेगी।

मुनिश्री ने बताया कि जो व्यक्ति समय को धर्म और अच्छे कार्यों में लगाता है, वही वास्तव में जीवन में पास होता है। सही चीजों में अगर सही समय नहीं लगाया गया, तो सही समय कभी आएगा ही नहीं। इस संसार में किसी के भरोसे मत रहो कि वह हमारे लिए अच्छे दिन लाएगा। अच्छे कार्य से ही सीधे अच्छे दिन आते हैं। अगर अच्छा काम नहीं करोगे तो अच्छे दिनों की उम्मीद मत रखना। चातुर्मास ऐसे ही अच्छे दिनों को बनाए रखने का अवसर होता है। जब मौका मिला है तो अच्छे काम करने का, मन को अच्छा बनाए रखने का, जुबान है तो अच्छा बोलने का प्रयास करें, और दिमाग है तो अच्छे विचारों में लगाएं।

मुनिश्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि दशरथ ने श्रीराम को वनवास की आज्ञा दी, वे मना भी कर सकते थे लेकिन नहीं किया। अगर बात नहीं मानी होती तो आज हमारे पास हर दिल पर राज करने वाले श्रीराम नहीं होते। आगम में कहा गया है कि प्रातःकाल उठते ही गुरु चरणों में पहुंचे और आज्ञा का पालन करें। हर शिष्य की शुरुआत आज्ञा पालन से होनी चाहिए। जैसे हम अपने घर को अच्छे से सजाते हैं, वैसे ही अगर जीवन को भी सहेजें तो जीवन भी सफल हो जाएगा। मुनिश्री ने आगे कहा कि धन कमाने के लिए लोग दुनिया के कोने-कोने तक चले जाते हैं, लेकिन धर्म के लिए थोड़ी दूर भी नहीं जाते। जीवन में धन और धर्म दोनों को महत्व देना चाहिए, केवल धन के पीछे नहीं भागना चाहिए। मंच संचालन मंत्री विनायकचंद पावेचा ने किया।

सिवांची जैन युवा मंडल की नई समिति का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री सिवांची जैन युवा मंडल का आगामी वर्ष 2025-27 के लिए 17 सदस्यों का चयन हुआ। पूर्व अध्यक्ष अनिल जीरावला ने नई समिति को शपथ ग्रहण कराई। अध्यक्ष के रूप में सिद्धार्थ मुनोथ, सचिव भरत श्रीश्रीमाल, कोषाध्यक्ष विनोद सिंघवी, उपाध्यक्ष रितेश बागरेचा और सह- सचिव विकास भंसाली का चयन हुआ।

वहीं कार्यकारिणी में सेवा कप्तान प्रदीप विनाकिया व उपकप्तान सुनील पालरेचा, वस्तु वितरण कप्तान प्रवीण छाजेड़ व उपकप्तान हितेश रांका, संगीत कप्तान राहुल बागरेचा व उपकप्तान विक्रम बागरेचा, व अन्य कार्यकारिणी सदस्य अनिल जिरावला, मनीष बालर, संजय देशरेला, पंकज चोपड़ा, कुणाल कांकरिया व मयंक तातेड है।

अध्यक्ष सिद्धार्थ मुनोथ ने बताया कि मंडल का मुख्य उद्देश्य सामाजिक सेवा, जीव दया, मानव सेवा, शिक्षण सेना, साधर्मिक भक्ति है। सचिव भरत श्रीश्रीमाल ने बताया की पर्व प्रयूषण में 8 दिन सभी मंदिर में भक्ति का अनूठा आयोजन होता है। साधर्मिक को हर साल राशन दिया जाता है, इसके अलावा ब्लड बैंक व आंख चिकित्सा का भी आयोजन होता है। संघ सदस्यों के बच्चों व बड़ों के लिए संस्कृत व खेल कूद का आयोजन भी मंडल स्तर व संघ स्तर पर होता है। मंडल के द्वारा तीर्थ यात्रा का भी आयोजन होता है।

शरण, स्मरण और आचरण तीनों में भगवान होना चाहिए : मुनिश्री आर्यशेखरविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री आर्यशेखरविजयजी ने कहा कि जिस प्रकार पौधे में कांटे ज्यादा और फूल कम, सरोवर में कीचड़ ज्यादा और कमल कम, जगत में दुर्जन ज्यादा और सज्जन कम मिलते हैं वैसे ही संसार में दुख ज्यादा और सुख कम होता है।

दुःख में तो भगवान याद आते ही हैं लेकिन सुख में भी भगवान को खुमारी से याद करना चाहिए। हमें शरण, स्मरण और आचरण तीनों में भगवान को साथ रखना चाहिए। हृदय को कठोर बनाएंगे तो हृदय में शैतान बैठेगा लेकिन हृदय को कोमल बनाएंगे तो प्रभु अवश्य बैठेंगे। हमें हमारी दृष्टि की जांच करनी चाहिए, चन्द्र में हम कलंक, सागर में खाराश, नदी में कीचड़ देखते हैं, हम जैसी दृष्टि रखेंगे वैसी हम सृष्टि पाएंगे। जैसे हर गांव में मंदिर के साथ शमशान भी होता है वैसे ही अपने जीवन में गुणों की प्रतिष्ठा करने वाला मंदिर और दोषों का दफन करने वाला शमशान भी होना चाहिए। संतश्री ने कहा कि विष और अमृत दोनों एक ही समंदर में हैं। शंकर और कंकर एक ही मंदिर में हैं। यह जमाना चुनाव का है इसलिए मनुष्य के अंदर विद्यमान प्रभुता और पशुता में से हमें प्रभुता को चुनना चाहिए।

सौम्य व्यक्ति ही धर्म करने के लिए योग्य : साध्वी मयूरयशाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वी मयूरयशाश्रीजी ने धर्मरत्न प्रकरण का वाचन करते हुए श्रावक के 21 गुणों के अंतर्गत तीसरी सौम्य प्रकृति गुण का वर्णन करते हुए बताया कि कोई भी चीज को ऊपर ऊपर से नहीं पर उड़ान से देखकर निर्णय करना चाहिए। जो व्यक्ति सौम्य प्रकृति गुण वाला है वह धर्म करने के लिए योग्य है। वर्तमान

को देखकर हम कोई भी निर्णय नहीं कर सकते। उसके लिए हमें भूतकाल में जाना होगा। नरक गति में क्रोध कषाय की मात्रा अधिक है, तीर्यच गति में माया अधिक है, मनुष्य गति में मान कषाय अधिक है और देवभव में लोभ कषाय अधिक है। जो जिस गति से आता है उसका स्वभाव भी वैसा ही होता है। शनिवार को दिव्य दृष्टि हॉस्पिटल के सहयोग से संघ के अंतर्गत फ्री आई चेक अप कैंप का आयोजन किया गया।

जयगोपाल गारोदिया विद्यालय के भवन का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अवाड़ी के पुरथिपट्टु स्थित जयगोपाल गारोदिया विद्यालय के स्कूल भवन का उद्घाटन 26 जुलाई को महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन द्वारा किया गया। राज्यपाल ने पट्टिका का अनावरण किया। ट्रस्ट के सदस्य प्रबंध न्यासी अशोक केडिया, न्यासी एरा. मेयप्पन, न्यासी हितेश कनोडिया और न्यास के सलाहकार सेतुरमन, मंच पर महामहिम के साथ उपस्थित थे। राज्यपाल ने स्वर्गीय जयगोपाल गरोडिया को पुष्पांजलि अर्पित की।

प्रबंध न्यासी अशोक केडिया ने राज्यपाल और उपस्थित जनसमूह का स्वागत किया। न्यास के सलाहकार सेतुरमन ने ट्रस्ट की गतिविधियों के बारे में बताया। न्यासी एरा. मेयप्पन ने राज्यपाल के समृद्ध व्यक्तित्व के बारे में बताया। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को देश के श्रेष्ठ नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया और जयगोपाल गरोडिया विद्यालय, परुथिपट्टु के विद्यार्थियों से भी बातचीत की। इस विद्यालय की स्थापना में योगदान देने वाले समन्वयकों, प्रधानाचार्यों और विशेष आमंत्रितों को सम्मानित किया गया। जेजीवी, परुथिपट्टु के प्रधानाचार्य वी. राजेश ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

'सच्चा धर्म भीतर के गुणों की अभिव्यक्ति के लिए किया जाता है'

प्रश्नोत्तरी के माध्यम से धर्म के गूढ़ रहस्यों का विवेचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी महाराज के शिष्यरत्न पंन्यास प्रवर श्री विमल पुण्यविजयजी म.सा. ने शनिवार को आयोजित धर्मसभा में प्रश्नोत्तरी के माध्यम से जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए धर्म के वास्तविक स्वरूप पर प्रकाश डाला। प्रवचन में उन्होंने कहा कि नरक का डर दिखाकर धर्म सिखाना तात्त्विक रूप से उपयुक्त नहीं है। यह कल्पनात्मक उदाहरण के रूप में हितकारी वचनों को स्थिर करने का एक माध्यम हो सकता है, परंतु समकिती साधक कभी भी भयवश नरक आदि से नहीं डरता। वह तो भीतर के दोषों से भय खाता है जैसे कि समाधि में बाधा उत्पन्न करने वाला दुःख।

उन्होंने स्पष्ट किया कि वैराग्य के तीन प्रकार होते हैं दुःखगर्भित, मोहगर्भित और ज्ञानगर्भित। ज्ञानगर्भित वैराग्य ही धर्म का सच्चा आधार है। उन्होंने कहा कि सच्चा धर्म भीतर के गुणों की अभिव्यक्ति के लिए किया जाता है, न कि भय या लोभवश। बाल व युवा वर्ग में धार्मिक चेतना विकसित करने हेतु उन्होंने चरणबद्ध शिक्षण प्रणाली की बात की। वात्सल्य, समुचित मार्गदर्शन, अनुशासन और तार्किक शिक्षण।

उन्होंने कहा कि अनुष्ठानों में भाव का प्रमुख स्थान है। भगवान के समक्ष किया गया प्रक्षालन वास्तव में हमारी आत्मा की शुद्धि का प्रतीक है। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि मंदिर में ऐसी वस्तु नहीं ले जानी चाहिए, जिससे चित्त जुड़ा हो यानी वह सचित हो। प्रभु को समर्पण अहोभाव से होना चाहिए, केवल धन या बाह्य प्रदर्शन से नहीं। जब भावपूर्ण भगवान का पक्षालन करते है तो भगवान नहीं, हम भीतर से शुद्ध होते हैं। जो प्रभु को अर्पण करना है, वह स्वप्रयोग के लिए नहीं करते। भगवान के दरबार में अष्टप्रकारी पूजा ही की जाती है, धन आदि चढ़ाने से नहीं।

प्रवचन के दौरान एक श्राविका ने श्रद्धा-भाव से नौ उपवास का प्रत्याख्यान लिया। आगामी मंगलवार व बुधवार को नेमीनाथ भगवान के जन्म व दीक्षा कल्याणक को सामूहिक अट्ठम तप के साथ मनाया जाएगा। साथ ही, रविवार को भीतर में रहे हुए कर्मों का क्षय कैसे करें विषय पर शिविर का आयोजन होगा।

आध्यात्मिक विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है अहंकार : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड भवन में चातुर्मासार्थ विराजित क्रांतिकारी प्रवचनकार ओजस्वी वक्ता श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने शनिवार को अपने प्रवचन के दौरान कहा कि जिस व्यक्ति के भीतर दया, करुणा, संवेदनशीलता का अभाव होता है ऐसा व्यक्ति अशुभ लेश्या से सम्बद्ध होता है। जिसकी जैसी भावधारा होती है उसका वैसा ही आभा मण्डल होता है। जिसका आभामंडल पवित्र और मजबूत होता है उसकी रेंज में पहुंचते ही व्यक्ति को शांति और आनंद की अनुभूति होने लगती है। अशुभ भावधारा व्यक्ति के चित्त को कलुषित बनाती है। जीवन का उत्थान-पतन व्यक्ति के भावों के उतार चढ़ाव पर निर्भर करता है। कुछ लोग अशुभ कलुषित भावों के प्रवाह में बहकर अपने लिए भटकाव की स्थिति निर्मित कर लेते हैं तो कुछ लोग भावों के प्रति जागरूक बनकर अशुभ भावों को नियंत्रित करके उन्हें सम्यक दिशा देकर जीवन मे ठहराव लाने का प्रयास करते हैं ! अति क्रोध, क्रूरता, ईर्ष्या, निर्दयता आदि के भाव कृष्ण लेश्या के लक्षण हैं जो पतन के कारण बनते हैं। मुनिश्री ने नील लेश्या के लक्षण अभिमान के दुष्प्रभाव बताते हुए कहा कि प्रायः सम्मान की चाहत और अपनी प्रशंसा सुनने की अभिलाषा अधिकांश लोगों की सहज मनोवृत्ति होती है। अभिमानी व्यक्ति वह होता है जो छोटी छोटी बातों को लेकर अपमानित महसूस करता हैं। किसी कार्य की सफलता का पूरा श्रेय खुद लेता हैं और अपने आपको श्रेष्ठ और दूसरों को तुच्छ हीन समझता है। अभिमानी व्यक्ति का व्यवहार दूसरों के प्रति कठोर होता है। अहंकार की बीमारी से ग्रसित व्यक्ति अनेक नुकसान से रूबरू होना पड़ता है। वह परिवार और समाज मे उपेक्षा दृष्टि का शिकार बन जाता है सभी जगह उसे दुत्कार और तिरस्कार का पात्र बनना पड़ता है अहंकार के चलते व्यक्ति करीबी आत्मीय रिश्तों की होली सुलगा देता है अहंकार का प्रभाव व्यक्ति को अपनी गलतियों को देखने और दूसरों की अच्छाईयों का अनुमोदन करने के सौभाग्य से वंचित करता है। सभा का संचालन संघ मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.